C M Y K

आज का विचार

वृक्ष में प्रतिदिन पानी देना होता है लेकिन फल मौसम अनुसार ही आते हैं इसलिए जीवन में धैर्य रखें क्योंकि हर काम समय पर ही होता है।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-222 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

बैकुण्ठपुर, शनिवार 07 जून, 2025

मोदी सरकार की 11 वर्षों की एतिहासिक उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाएंगे: रजनीश सिंह

भाजपा का संकल्प से सिद्धि अभियान कार्यशाला गरिमामय रूप से सम्पन्न

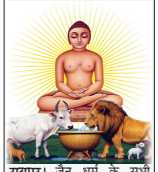

अंबिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। भारतीय जनता पार्टी सरगुजा द्वारा केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के ११ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे "संकल्प से सिद्धि अभियान" के अंतर्गत एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन आज राजमोहिनी देवी ऑडिटोरियम, अंबिकापुर में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रजनीश सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिला प्रभारी ज्योति नंद दुबे रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने की।

इस गरिमामयी आयोजन में अतिथि स्वरूप छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, भाजपा ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व जिलाध्यक्ष अखिलेश सोनी, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर, अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा, पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती फुलेश्वरी सिंह सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि रजनीश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के ११ वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहे हैं। च्संकल्प से सिद्धिज अभियान के माध्यम से हम मोदी सरकार की ११ वर्षो की एतिहासिक उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाएंगे।

उन्होंने बताया कि ५ जून से ६ जुलाई तक विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें प्रमुख १० जून को मुख्यमंत्री की प्रेस वार्ता (रायपुर), ११-१२ जून को जिला स्तरीय प्रेस वार्ता एवं प्रोफेशनल मीट, ११-२१ जून को मोदी सरकार की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी, २१ जून को योग दिवस, २३ जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस पर बूथ स्तरीय कार्यक्रम, २५ जून को आपातकाल स्मृति दिवस कार्यक्रम हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ज्योति नंद दुबे ने कहा कि संकल्प से सिद्धि में ताकत है जिसे २०२३ में छत्तीसगढ़ में सरकार बना दिया, इस विधानसभा चुनाव में हमारे पास मोदी सरकार के १० वर्षो की उपलब्धियां थी जिसको लेकर हम जनता के बीच गए थे, और जनता ने हमको विजय का आशीर्वाद दिया, मोदी जी के ११ वर्षो का कार्यकाल अमृत काल है , संकल्प से सिद्धि अभियान के कार्यक्रमों को यदि हमने बूथ तक पहुंचा दिया तो हम मिशन २०२८ का चुनाव भी जीतेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने अपने प्रस्तावना भाषण में कहा कि च्५ जून से १५ अगस्त तक पार्टी की गतिविधियाँ लगातार चलती रहेंगी। 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे अभिनव अभियान को भी इस दौरान प्राथमिकता से जोड़ा जाएगा। मंडल स्तर पर मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, सभी कार्यो की जानकारी डिजिटल माध्यमों से समाज तक पहुँचनी चाहिए। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के जिला प्रभारियों में से संकल्प से सिद्धि अभियान प्रभारी रजनीश पांडे, मन की बात प्रभारी प्रशांत त्रिपाठी, एक पेड़ माँ के नाम प्रभारी अनिल अग्रवाल, बलिदान दिवस प्रभारी निश्चल प्रताप सिंह, आपातकाल दिवस प्रभारी वैभव सिंह देव एवं योग दिवस प्रभारी मनोज गुप्ता ने अपने-अपने विषयों पर जानकारी साझा की।कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम तथा संगठन गीत की प्रस्तुति से हुई जिसे जिला संवाद प्रमुख श्री संतोष दास ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री विनोद हर्ष ने किया और आभार प्रदर्शन श्री मनोज गुप्ता ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से अभिमन्यु गुप्ता (जिला महामंत्री), हरमिंदर सिंह टिन्नी (नगर निगम सभापति), अरुणा सिंह, विकास पांडे, मनोज कंसारी (मंडल अध्यक्ष), कमलेश तिवारी, महेंद्र प्रताप सिंह, राधेश्याम सिंह, रूपेश दुबे, सचिन अग्रवाल, अंशुल श्रीवास्तव, विवेक सिंह सेंगर, नितेश सिंह, गोल्डी बिहाड़े, अनिल तिवारी, धनंजय मिश्रा, आकाश गुप्ता, अभिषेक शर्मा, रिंकू वर्मा, अखंड विधायक सिंह, प्रमोद सिंह, सतीश जायसवाल, दिनेश बारी, निरंजन राय, सर्वेश तिवारी, राजू सिंह, रवि सिंह, जतिन परमार, रवि शंकर महंत, संतोष जायसवाल, श्रीराम यादव, बाली चरण यादव, आशीष गुप्ता, त्रिलोचन सदावर्ती, भगत पैकरा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

समाज कल्याण विभाग की टीम ने किया खोगापानी नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। समाज कल्याण विभाग की टीम ने खोगापानी स्थित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। विभाग के उप संचालक आरके सिन्हा के नेतृत्व में पहुंचे निरीक्षण दल ने केंद्र में निवासरत लाभार्थियों की देखभाल, भोजन, दवाओं की उपलब्धता, परामर्श सेवाएं तथा पुनर्वास प्रक्रिया की विस्तार से समीक्षा की। टीम में जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने केंद्र में रह रहे पीड़ितों से संवाद कर उनकी वर्तमान स्थिति, इलाज की गुणवत्ता एवं केंद्र द्वारा दी जा रही मानसिक, सामाजिक व चिकित्सकीय सहयोग की जानकारी ली। उप संचालक सिन्हा ने बताया कि केंद्र में विभिन्न प्रकार के नशे की चपेट में आए व्यक्तियों को नशामुक्त जीवन की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है, जिसमें उन्हें नियमित रूप से चिकित्सा, योग, ध्यान तथा कौशल विकास प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में केंद्र में 20 से अधिक लाभार्थी उपचाररत हैं, जिन्हें शासन के दिशा-निदेर्शो के अनुरूप सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। टीम ने निरीक्षण के दौरान रजिस्टर संधारण, स्वच्छता व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा प्रबंधों की भी गहन जांच की। निरीक्षण उपरांत समाज कल्याण विभाग की टीम ने केंद्र द्वारा किए जा रहे कार्यो की प्रशंसा की तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए कुछ आवश्यक सुझाव भी दिए, ताकि लाभार्थियों को अधिक प्रभावी और संवेदनशील सेवाएं मिल सकें।

पहला कॉलम

अहिंसा परमो धर्म - जीवदया प्रत्यर्थ सकल जैन समाज द्वारा आज नवकार महामंत्र का जाप

रायपुर। जैन धर्म के सभी तीर्थंकरों ने अहिंसा परमो धर्म , करुणा , सभी जीवों के प्रति दया भाव से जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त किया है। भगवान महावीर स्वामी ने जियो और जीने दो का संदेश विश्व को दिया जोकि वर्तमान में भी विश्वशांति व पर्यावरण संतुलन के लिए प्रासंगिक है।

श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट, भैरव सोसायटी के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि 7 जून को सातवें तीर्थंकर श्री सुपार्श्वनाथ जी का जन्मकल्याणक दिवस है। इस अवसर पर विश्वपटल पर पशुओं के प्रति हो रही हिंसा के मद्देनजर अहिंसा करुणा दया व जियो और जीने दो के भावों के साथ 7 नवकार महामंत्र का जाप किया जावेगा। महेन्द्र कोचर ने आगे कहा कि नवकार महामंत्र का जाप समस्त विपत्तियों से रक्षा करने वाला मंत्र है , सकल जैन समाज से आव्हान है कि जगत के समस्त जीवों के प्रति अभयदान के शुद्ध भावों से 7 बार नवकार महामंत्र का जाप अवश्य करें।

प्रभारी तहसीलदार रिश्वत लेते गिरफ्तार

रायपुर। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने कोंडागांव प्रभारी तहसीलदार नाजूल दिनेश सिंह ठाकुर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी ने आरोपी के पास से रिश्वत की रकम 15000 बरामद किए। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निधन अब्दुल वाहिद

अम्बिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। नगर निगम में नेता विपक्ष शफी अहमद जी के पिता अब्दुल वाहिद का दुखद निधन ८६ वर्ष की आयु में आज सुबह ७:१६ बजे हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे और रामकृष्ण केयर रायपुर में उपचार के लिए भर्ती थे। उन्हें देर शाम ७:०० बजे नमनाकला कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया जाएगा।

खरी-खरी

॥शोक संदेश॥

॥ॐ शांति॥

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे पूज्य पिता जी श्री बलराम केशरी अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर दिनांक 24 मई 2025, शनिवार अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर प्रभु के चरणों में विलीन हो गए है।

अतः उनकी पुण्य आत्मा की शांति हेतु निम्नलिखित कार्यक्रम में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है, कृपया श्रद्धासुमन अर्पित करें -

श्रद्धांजलि सभा एवं पगड़ी रस्म

दिनांक : 7 जून, 2025

समय : दोपहर 2 बजे से

स्थान : अग्रसेन भवन, खरसिया रोड अंबिकापुर सरगुजा

- शोककुल -

जगन्नाथ केशरी
जीवन केशरी
श्रवण गुप्ता (अधिवक्ता)
संजय केशरी
समस्त गणेश परिवार

- शोक संतप्त -

अम्बिकेश केशरी
एवम् समस्त केशरी परिवार

पौधारोपण कर मां-बेटी ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मां और बेटी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। शिक्षिका रिंकी श्रीवास्तव ने अपने घर में जहां गमले में सदा सुहागन फूल का पौधा अपनी मां के नाम पर लगाया वहीं उनकी बेटी स्नेहा श्रीवास्तव ने अपनी माँ के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए तुलसी का पौधा रोपण किया। शिक्षिका ने कहा कि प्रकृति में संतुलन बनाए रखने तथा अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत जरूरी है। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह अपनी माँ और प्रकृति दोनों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का एक अच्छा माध्यम है। वहीं छात्रा स्नेहा ने कहा कि वृक्षों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत ग्रामीणों ने किया वृक्षारोपण

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत सिरौली में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ की उपस्थिति में जनपद सदस्य, सरपंच, पंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सभी ने पर्यावरण की रक्षा के लिए संकल्प लिया और ग्रामवासियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इस विशेष अभियान के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को भी पौधे वितरित किए गए, जिससे वे अपने आवासों के समीप वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकें। कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम के अमृत सरोवर स्थल पर भी वृक्षारोपण किया गया, जिससे न केवल पर्यावरण को लाभ होगा, बल्कि जल संरक्षण एवं जैव विविधता को भी बढ़ावा मिलेगा। ग्रामवासियों में इस पहल को लेकर उत्साह देखा गया और सभी ने भविष्य में भी इसी प्रकार वृक्षारोपण अभियान को जारी रखने का संकल्प लिया।

आस-पास

पहला कालम

स्वर्गीय डॉ. रामचंद्र सिंहदेव कृषि महाविद्यालय में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

अम्बिकापुर।(अम्बिकावाणी समाचार)।
स्वर्गीय डॉ. रामचंद्र सिंहदेव कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कोरिया में आज दिनांक ५ जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया इस अवसर पर वैकुंठपुर से श्री भानु पाल (पार्षद), जनभागीदारी अध्यक्ष ,कृषि महाविद्यालय कोरिया, कृषि महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय घृतलहरे, डॉ. रोहित घृतलहरे शिक्षकगण एवं समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस २०२५ प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने पर केंद्रित है, पर्यावरण को दूषित वातावरण से मुक्त करने के लिए जल जीवन के साथ-साथ हमारी पृथ्वी को सूक्ष्म प्लास्टिक से बचाना हमारा परम कर्तव्य है इस उद्देश्य के साथ महाविद्यालय परिसर में पेड़ पौधे जैसे आम, कटहल, नींबू, चीकू का पौधा लगाकर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया जो पर्यावरण शुद्ध करने के साथ-साथ आने वाले समय में प्राकृतिक रूप से फलों का स्वाद लेने का भी अवसर प्रदान करेगा और पर्यावरण स्वच्छ एवं अपनी सुंदर प्रकृति की छटां ? बिखेरेगी।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के लिए 09 जून को शिविर आयोजित

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला परिवहन अधिकारी श्री यशवंत यादव ने बताया है कि जिले के २०१९ से पहले के पंजीकृत वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर लगवाने हेतु फॉर्म भरने के लिए परिवहन विभाग द्वारा ०५ जून २०२५ को जिला परिवहन कार्यालय बलरामपुर, तहसील कार्यालय शंकरगढ़, रामानुजगंज एवं तहसील कार्यालय वाड्रफनगर में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए वाहन का पंजीयन प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, रजिस्टर्ड मोबाईल नंबर लाना आवश्यक है। इसके लिए शुल्क भी निर्धारित किया गया है।

पीड़ितों कों न्याय दिलाने में वरिष्ठ आरक्षक भी अपनी भूमिका का करेंगे निर्वहन

सहायक जिला अभियोजन अधिकारी ने वरिष्ठ आरक्षकों कों दिए विवेचना के गुर

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार ऐसे वरिष्ठ आरक्षक जिन्हें क्रमोन्नत वेतनमान मैट्रिक्स-०६ प्रदान किया गया है, उन्हें भारतीय न्याय संहिता २०२३ के विभिन्न अध्यायों के अंतर्गत उल्लिखित अपराधों का अन्वेषण करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। इस अधिसूचना में भारतीय न्याय संहिता के अध्याय ५, ६, ११, १२, १३, १४, १५ और १७ के अंतर्गत आने वाले अपराध शामिल हैं, अधिसूचना के अनुपालन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.)के दिशा निर्देशन में जिले के क्रमोन्नत वेतनमान मैट्रिक्स-०६ प्राप्त वरिष्ठ आरक्षकों कों अन्वेषण का महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान करने के क्रम मे जिले के वरिष्ठ आरक्षकों के

लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, उक्त प्रशिक्षण कार्यशाला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष मे आयोजित की गई, प्रथम चरण में २० वरिष्ठ आरक्षकों कों उक्त प्रशिक्षण प्रदान किया गया, प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ आरक्षकों को उक्त अपराधों के अन्वेषण हेतु आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना था।

प्रशिक्षण कार्यशाला में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के वरिष्ठ आरक्षकों कों अपराध विवेचना के सम्बन्ध में बारिकी तथ्यों की जानकारी देते हुए कहा कि शासन के निदेशानुसार वरिष्ठ आरक्षकों कों अपराध विवेचना का कार्य सौपा गया है, इसी क्रम में सभी वरिष्ठ आरक्षकों कों प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है, वरिष्ठ आरक्षक पूर्व से थाना/चौकी स्तर पर विवेचना में सहयोगी की भूमिका का निर्वहन करते आ रहें हैं, अब वरिष्ठ आरक्षकों द्वारा चिन्हांकित अपराधों के विवेचना स्वयं किया जाना होगा इसलिए अपराध विवेचना का बारिकी ज्ञान होना आवश्यक हैं, आप सभी प्रशिक्षण कार्यशाला से विवेचना के बारीकी तथ्यों कों सीखे एवं आगामी दिनों में इन बारीकी तथ्यों का विवेचना में पालन करना सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण कार्यशाला में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी राजेश सिंह द्वारा वरिष्ठ आरक्षकों कों अपराध विवेचना हेतु अध्याय ५, जिसमें महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध तथा अध्याय ६, जिसमें मानव शरीर पर प्रभाव डालने वाले अपराध, अध्याय ११, जिसमें लोक प्रशांति के विरुद्ध अपराध एवं अध्याय १२, जिसमें लोक सेवकों द्वारा या उनसे संबंधित अपराध, अध्याय १३ जिसमें लोक सेवकों के विधिपूर्ण प्राधिकार के अवमान एवं अध्याय १४ जिसमें मिथ्या साक्ष्य और लोक न्याय के विरुद्ध अपराध, अध्याय १५ जिसमें लोक स्वास्थ्य, क्षेम, सुविधा, शिष्टता और सदाचार पर प्रभाव डालने वाले अपराधों एवं अध्याय १७, जिसमें संपत्ति के विरुद्ध अपराधों का उल्लेख हैं की जानकारी दी गई, इस प्रशिक्षण का उद्देश्य वरिष्ठ आरक्षकों को इन अपराधों की जटिलताओं को समझने और विवेचना के दौरान प्रभावी निर्णय लेने के लिए तैयार करना था।

प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान सहायक जिला अभियोजन अधिकारी श्री राजेश सिंह, रीडर सहायक उप निरीक्षक अमित पाण्डेय, शहरी थाना/ चौकियो मे पदस्थ २० वरिष्ठ आरक्षक/महिला आरक्षक शामिल रहे।

थाना मणिपुर के नए भवन के लिए विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण की रखी गई नीव

मणिपुर थाना भवन उच्च स्तरीय एवं वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप होगा

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
पुलिस मुख्यालय रायपुर से स्वीकृति मिलने के पश्चात मणिपुर थाना के लिए नए भवन का निर्माण किया जाएगा, उक्त भवन के निर्माण कार्य के लिए आज दिनांक कों मुख्य अतिथि चिंतामणी महाराज सांसद सरगुजा, विशिष्ट अतिथि राजेश अग्रवाल विधायक अंबिकापुर, श्रीमती निरुपम सिंह अध्यक्ष जिला पंचायत सरगुजा, श्रीमती मंजूषा भगत महापौर अंबिकापुर, कलेक्टर जिला सरगुजा विलास भोस्कर , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल, आयुक्त नगर निगम डी. एन. कश्यप के गरिमामयी उपस्थिति मे

भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न कर निर्माण की नीव रखी गई।

जिले के शहरी क्षेत्र में स्थित मणिपुर थाना अस्थाई भवन में संचालित हो रहा था। जिसमे वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप से जगह कम था, तत्सम्बन्ध मे नया थाना भवन के निर्माण के लिए प्रस्ताव बनाकर पुलिस मुख्यालय भेजा गया था। उक्त प्रस्ताव पर स्वीकृति एवं जमीन आबंटन पश्चात मठपारा मे थाना भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ प्रभारी उप निरीक्षक सुनीता भारद्वाज, उप निरीक्षक (एम) अभय सिंह, रघुनाथपुर चौकी प्रभारी उप निरीक्षक आर. एन. पटेल, सहायक उप निरीक्षक शौकीलाल राज, पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारी सहित थाना मणिपुर स्टाप उपस्थित रहे।

आपराधिक गतिविधियों पर होगी पैनी नजर

थाना मणिपुर एक बड़ा थाना क्षेत्र है, जिसको अपना नया थाना भवन प्राप्त होने से जनसुविधाओं का विस्तार किया जा सकेगा, नए थाना भवन के बन जाने से अपराधियों पर पैनी नजर रखकर अपराध में कमी लाई जा सकेगी।

संभागीय अग्रवाल महासभा का नवीन भवन बनकर हुआ तैयार,10 जून को होगा भव्य उद्घाटन

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
अंबिकापुर नगर के गांधीनगर में कमोदा बिहार के समीप स्थित सरगुजा संभागीय अग्रवाल महासभा का नवीन भवन बनकर तैयार हो गया है।१० जून को अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं अग्रवाल महासभा के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में भवन का भव्य रूप से उद्घाटन किया जाएगा। शुक्रवार को अग्रवाल महासभा के पदाधिकारियों ने भवन का निरीक्षण कर उद्घाटन की तैयारी का जायजा लिया।इस दौरान संभागीय अग्रवाल सभा के अध्यक्ष श्रीनिवास केडिया एवं संभागीय युवा अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने बताया कि १० जून के बाद यह भवन आम लोगों के शादी-विवाह व अन्य कार्यक्रमों के लिए निशुल्क उपलब्ध रहेगा। गौरतलब है कि अग्रवाल

सभा के संभागीय नवीन भवन के लिए स्वर्गीय सीताराम अग्रवाल ने पहल की थी, उनके पहल पर ही राजीव अग्रवाल ने भवन की जमीन उपलब्ध कराया और प्रीमियम की राशि दिए थे। युवा अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने बताया कि प्रथम तल का निर्माण जय हनुमान राइस मिल के विनोद अग्रवाल द्वारा लगभग एक करोड़ की लागत से बनवाया गया है। संपूर्ण कार्य अध्यक्ष श्रीनिवास केडिया के मार्गदर्शन में हुआ है, समाज को ८००० स्क्वायर फीट में बने नवीन भवन से लाभ मिलेगा।इस भवन में १० कमरा एवं एक बड़ा हाल है, इसके अलावा पार्किंग की भी उचित व्यवस्था की गई है।भवन निर्माण के निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष श्रीनिवास केडिया, संभागीय युवा अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, जय हनुमान राइस मिल के संचालक विनोद अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल,राधे कृष्ण गोयल मौजूद थे।

तेज डायग्नोस्टिक सेंटर में 8 को मौजूद रहेंगे विशेषज्ञ चिकित्सक

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। तेज डायग्नोस्टिक एवं माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल में प्रत्येक माह के दूसरे रविवार दिनांक ०८ जून २०२५ को निम्न विशेषज्ञ डॉक्टर परामर्श के लिए उपलब्ध रहेंगें।छ.ग. के सुप्रसिद्ध मस्तिष्क एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ. भुवन शर्मा एमडी डीएम न्यूरोलॉजिस्ट,छ.ग. के विशेष स्पाईन एण्ड पेन मैनेजमेन्ट डॉ. वी. मिंज एमबीबीएस एमडी,छ.ग. के सुप्रसिद्ध पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय कुमार अग्रवाल एमबीबीएस एमडी मेडिसिन दिल्ली डीएम गैस्ट्रो बीएचयू वाराणसी स्थान-डॉक्टर हॉऊस / सरगुजा,ब्रेन एवं स्पाईन सर्जन एण्ड एण्डोस्कोपिक न्यूरो सर्जन डॉ. महावीर सिंह जौहरी एमबीबीएस एमएस डीएनबी हैदराबाद,संबंधित रोगों से पीड़ित मरीजों के उपचार हेतु एवं परामर्श के लिए तेज डायग्नोस्टिक सेंटर एवं माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल, जोड़ा तालाब के सामने बावूपारा अम्बिकापुर में उपलब्ध रहेंगें। संपर्क नं. ८२२४०७७७९९,८२२४०७७५५,०७७७४६६९९९, ०७७७४२२२९९९,९८२६१८३७८०..।

दीपों की रौशनी से जगमगा उठा रेणुका नदी का तट,गंगा आरती के बाद किया दीपदान

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
गंगा जी के धरती में अवतरण दिवस गंगा दशहरा को कोयलांचल बिश्रामपुर में धूमधाम व पूरी श्रद्धा के साथ मनाया गया।कोयलांचल में गंगा दशहरा के अवसर पर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी गुरुवार को भव्य और विशाल धार्मिक आयोजन तत्पर एजुकेशन एवं वेलफेयर सोसायटी के द्वारा रेणुका नदी के तट आयोजित किया गया था, जहां विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। प्रातः बड़ी संख्या में भक्तों ने रुद्रा भिषेक के आयोजन में अपनी सहभागिता दी फिर हवन,पूजन संध्या में भव्य गंगा आरती के साथ सैकड़ों लोगों ने दीपदान किया,तत्पश्चात भक्तों के बीच प्रशाद स्वरूप विविध प्रकार के व्यंजन का वितरण किया गया ।गंगा आरती और दीप दान से रेणुका नदी का तट जगमगा उठा।बता दे संस्था द्वारा यह आयोजन वर्ष २०१८ से निरंतर किया जा रहा है धीरे धीरे यह आयोजन उत्सव का रूप लेता जा रहा है।तत्पर एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष भोला महराज

ने बताया कि गंगा दशहरा लोक आस्था का महापर्व है जो प्रकृति और पर्यावरण से जुड़ाव को प्रदर्शित करता है उन्होंने बताया कि अब यह आयोजन क्षेत्र की पहचान बन चुका है जो सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है।

इस आयोजन की खास बात यह है कि यह केवल एक संस्था का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सम्पूर्ण नगर की सामूहिक सहभागिता से संपन्न होता है। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में धर्म, सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि गंगा दशहरा केवल धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, जल संरक्षण की चेतना और सामाजिक एकता का उत्सव है। इस दिन दीपों की रौशनी से जब नदी का तट जगमगाता है, तो जैसे आत्मा भी आलोकित हो उठती है। उन्होंने बताया कि आयोजन समिति का विशेष ध्यान पर्यावरण संरक्षण पर भी है। इस अवसर पर प्लास्टिक मुक्त आयोजन, स्वच्छता अभियान और पौधरोपण संकल्प भी सम्मिलित किए गए थे।आयोजन को सफल बनाने आचार्य पंडित बालकिशुन गर्ग के मार्गदर्शन व निर्देश में समिति के सदस्य पदाधिकारी सक्रिय रह आयोजन को सफल बनाया।

मानव जाति के सुरक्षित भविष्य के लिए आवश्यक है पर्यावरण का संरक्षण- ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी

आध्यात्मिकता से होगा जीवन सुखमय एवं सुव्यवस्थित - चिंतामणि महाराज

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
पर्यावरण का आध्यात्मिक के साथ गहरा संबंध है, भारतीय संस्कृति में पर्यावरण को देव तुल्य माना गया है! इस धारणा को आधुनिक युग में भी बरकरार रखना होगा क्योंकि यदि पर्यावरण का संतुलन यूं ही बिगड़ता रहा तो मानव जाति का भविष्य संकट में होगा। उक्त विचार धमतरी से पधारी ब्रह्माकुमारीज ग्राम विकास प्रभाग की नेशनल कोऑर्डिनेटर ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी ने नव विश्व भवन चोपड़ापारा में पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य देते हुए कहा कि प्रकृति दाता बनाकर हमें सब कुछ दे रही है परंतु आज हमने अनावश्यक रूप से अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए पर्यावरण का दोहन किया है, जो भीषण समस्या के रूप में हमारे सामने हैं। आध्यात्मिकता हमें पर्यावरण के साथ प्रेम पूर्ण संबंध द्वारा एक दूसरे की पालना एवं संरक्षण की कला सिखाता है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज द्वारा चलाए जा रहे शाश्वत योगिक खेती की विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि आज रासायनिक खादो एवं घातक कीटनाशकों के प्रयोग से हमारी भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो रही है, साथ-साथ हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इन सभी समस्याओं का हल है - शाश्वत योगिक खेती जिसमें हम राजयोग मेडिटेशन द्वारा परमात्मा शक्तियों को अपने विचारों के माध्यम से अपनी फसलों तक पहुंचाते हैं जिससे खेती में लागत में कमी तथा फसलों की गुणवत्ता में बढ़ोतरी होती है और किसानों को ज्यादा लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों को गांव के संपूर्ण विकास के लिए पांच सूत्रीय मंत्र दिया जिसमें स्वच्छता, एकता, शुद्धता, नशामुक्ति एवं आध्यात्मिकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने विचारों को सदा हर परिस्थिति में, हर व्यक्ति के प्रति सकारात्मक शुद्ध एवं प्रेम पूर्ण रखने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पहले हमारे पास घड़ी नहीं होती थी परंतु समय सबके पास होता था। आज हम सब के पास घड़ी है परंतु समय नहीं है। ऐसे व्यस्तम जीवन शैली में यदि हम आध्यात्मिकता को अपना ले तो हमारा जीवन सुव्यवस्थित और सुखमय हो सकता है। उन्होंने प्रतिदिन अपने मात पिता एवं गुरुजनों को प्रणाम करने की प्रेरणा दी एवं कहा कि जब आधे मिनट के मुस्कुराहट से हमारा फोटो सुंदर हो जाता है तो यदि हम सदा जीवन में मुस्कुराते रहें तो संपूर्ण जीवन कितना सुंदर बन सकता है।

जिला पंचायत सरगुजा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल ने कहा कि सांसारिक जीवन में रहते हुए अपने विचार एवं कर्मों को शुद्ध रखने की कला हमें आध्यात्मिकता सीखता है। विपरीत परिस्थितियों में अपने मन को संतुलित रख सकारात्मक सोचने की शक्ति मेडिटेशन से प्राप्त होती है। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से कहा कि गांव की अनेक प्रकार की समस्याओं का समाधान हम आध्यात्मिकता द्वारा कर सकते हैं क्योंकि अध्यात्म से आपसी भाईचारा, प्रेम,सौहार्द एवं एक दूसरे की मदद जैसी भावनाएं का संचार होता है। अपने कर्तव्यों को एवं समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझना तथा अपने जीवन के मूल उद्देश्य को जानना ही आध्यात्मिकता है !

जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह ने ब्रह्माकुमारी से विगत ६ वर्षों से जुड़े अपने अनुभव लोगों से साझा करते हुए कहा कि वह विगत कई वर्षों से राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कर रही हैं जिससे उनकी मानसिक एवं भावनात्मक स्थिरता बहुत बढ़ गई है। राजनीतिक जीवन में लोगों के द्वारा अनेक प्रकार की बातें एवं परीस्थिति आती हैं लेकिन उन हर परिस्थितियों में मुस्कुराते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया देना राजयोग हमें सिखाता है। उन्होंने अपने गांव का अनुभव बताते हुए कहा कि उनका पड़ोसी नशे में बहुत ज्यादा लिप्त था जिसके कारण उसका और उसके पूरे परिवार का जीवन संकट में पड़ गया था परंतु जब वह ब्रह्माकुमारीज द्वारा दिए जा रहे ज्ञान से जुड़ा तो पूरी तरीके से व्यसनों और नशे को त्याग कर आज एक सुखमय जीवन व्यतीत कर रहा है। भाजपा के जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया एवं वरिष्ठ पार्षद श्री आलोक दुबे ने भी सभा को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी द्वारा चलाए जा रहे शाश्वत योगिक खेती अभियान की सराहना करते हुए सभी जनप्रतिनिधियों से अपने ग्रामों में किसानों को इस पद्धति को अपनाने की अपील की!

इस अवसर पर विस्तरीय पंचायती राज के नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का ब्रह्मा कुमारीज द्वारा सम्मान किया गया! अंबिकापुर सेवा केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या बहन* ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए सभी को पौधा भेंट कर सम्मानित किया! कार्यक्रम के अंत में धमतरी से आई ब्रह्मा कुमारी अखिलेश बहन ने अपने गांव को नशामुक्त एवं गोकुल गांव बनाने का संकल्प करवाया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रतनी नाग, जनपद पंचायत अंबिकापुर के अध्यक्ष विजय व्यापारी, उपाध्यक्ष सतीश यादव सहित जिले के २५० जनपद सदस्य, सरपंच एवं उप सरपंचों ने लाभ लिया एवं पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ अपने गांव गांव को आदर्श गोकुल गांव बनाने का संकल्प लिया! कार्यक्रम के पश्चात अतिथियों द्वारा ब्रह्मा कुमारीज के परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संदेश दिया गया।

शासन ने की अभिनव पहल,पहाड़ी कोरवा बच्चों का भविष्य हुआ उज्ज्वल, नियमित शिक्षको की नियुक्ति के साथ ही दूर हुई समस्या

अतिशेष शिक्षकों के समायोजन से विद्यार्थियों को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

कोरबा अम्बिकावाणी । शहर से लगभग ८० किलोमीटर दूर यह गाँव है बरपानी इस गाँव में जाने के लिए रास्ते हैं, छोटे बच्चों के लिए आंगनबाड़ी है, स्कूल में पढ़ने के लिए ठीक ठाक भवन भी है, और यहाँ पढ़ाई करने वाले ज्यादातर बच्चे पहाड़ी कोरवा जनजाति के ही है। शासन ने यहाँ रहने वाले कोरवा जनजाति के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए स्कूल ही नहीं खोले, भवन भी बनाया, लेकिन नियमित शिक्षक नहीं होने का खामियाजा यहाँ पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को वर्षों से उठाना पड़ता रहा, किसी तरह कुछ शिक्षकों को अटैचमेंट कर अध्यापन का कार्य तो कराया जाता रहा, लेकिन यह व्यवस्था भी पहाड़ी कोरवाओं विद्यार्थियों के हित की नहीं थीं, आखिरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन ने अतिशेष शिक्षकों को ऐसे शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय विद्यालयों में नियुक्ति करने की नीति बनाई तो वनांचल में मौजूद इस पहाड़ी कोरवा बाहुल्य गाँव के स्कूल बरपानी के भी भाग खुल गए। इस विद्यालय में अब दो अतिशेष शिक्षक पदस्थ हुए हैं, जो नियमित शिक्षक होंगे। यहाँ प्रधानपाठक के रूप में कमल सिंह कँवर और सहायक शिक्षक के रूप में अक्तिदास मानिकपुरी की नियुक्ति हुई है। कोरबा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवपहरी के आश्रित ग्राम बरपानी में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवाओं का परिवार निवास करता है। यहाँ रहने वाले पहाड़ी कोरवाओं के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने शासन ने पहल की। डीएमएफ से २०१७ में नए भवन भी बनाएं। स्कूल में शिक्षा हेतु शिक्षक की व्यवस्था भी की गई थी। शहर से बहुत दूर वनांचल क्षेत्र में स्कूल होने से यहाँ कोई नियमित शिक्षक नहीं था। राज्य शासन द्वारा अतिशेष शिक्षको के समायोजन के निर्देश जारी होने के बाद जब कोरबा जिले के प्राथमिक शालाओ के अतिशेष शिक्षको की काउंसिलिंग की गई तो प्राथमिक शाला बरपानी को एक नियमित प्रधानपाठक और एक रेगुलर शिक्षक मिल गया है। अब इस विद्यालय में भी शिक्षक उपलब्ध हो जाने से पहाड़ी कोरवाओं के बच्चों का भी भविष्य उज्ज्वल नजर आने लगा है। इन गाँव के संपत लाल कोरवा ने बताया कि स्कूल में २५ बच्चे हैं। विगत कई साल से रेगुलर शिक्षक नहीं होने से अध्यापन प्रभावित होता था। बीते शिक्षा सत्र में एक अतिथि महिला शिक्षक कक्षाएं लेती थी। अब खुशी की बात है कि हमारे गाँव के स्कूल को एक प्रधानपाठक और एक नियमित शिक्षक मिल गया है। गाँव के झुनी बाई, शैम्पूरम कोरवा, बुधवारी बाई ने बताया कि हमारे गाँव के पास स्कूल खुलने के बाद गाँव के बच्चों को स्कूल भेजते हैं। स्कूल में शिक्षक नहीं होने से दूसरे स्कूल के शिक्षको को भेजा जाता है। कई बार बीमारी या दूसरे कारणों से शिक्षक के अवकाश में रहने से समस्याएं आ जाती है। अब हमारे गाँव के स्कूल में शिक्षक मिल जाने से हमारे बच्चों को भी इन शिक्षकों के माध्यम से अच्छी शिक्षा मिलेगी।

पहाड़ी कोरवाओं वाले विद्यालयों में दी गई है प्राथमिकता-

शासन से अतिशेष शिक्षको को शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय विद्यालय में युक्ति युक्तकरण व समायोजन के निर्देश जारी होने के पश्चात शिक्षा विभाग के माध्यम से कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले के उन विद्यालयों को चिन्हित कराया,जहाँ पर लम्बे समय से शिक्षकों की कमी बनी हुई थी। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्र के विद्यालयों, पहाड़ी कोरवाओं वाले विद्यालयों को भी लाभान्वित करने के उद्देश्य से अतिशेष शिक्षको की नियुक्ति में ऐसे विद्यालयों को प्राथमिकता में रखा। जिले के दूरस्थ क्षेत्र वाले विद्यालय तीतरडाँड़,खमहूँन, नकिया,श्यांग, गोलहर, पेंड्रीडीह, कोरई, चिरईझुंझा,रपता, खैरभवना,कदमझेरिया सहित अनेक विद्यालय है जहाँ बड़ी संख्या में पहाड़ी कोरवा बच्चे प्राथमिक शाला में अध्ययन करते हैं। इन स्कूलों में शिक्षको की कमी को दूर करने के लिए अतिशेष शिक्षको को नियुक्त किया गया है। नियमित शिक्षको की नियुक्ति से पहाड़ी कोरवा जनजाति के बच्चों को बेहतर शिक्षा मुहैया हो पायेगी। कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि अतिशेष शिक्षको के समायोजन से शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय विद्यालय को बड़ी संख्या में लाभ मिल है। पहाड़ी कोरवाओं वाले विद्यालयों में नियमित शिक्षको की पदस्थापना से शैक्षणिक माहौल और भी बेहतर होगा।

छोटी खबरें

माँ को खो बैठा नवजात, श्वेता हॉस्पिटल की लापरवाही से उजड़ा परिवार! सरपंच संघ ने उठाई कार्रवाई की माँग

नवजात की आंखों में माँ की तलाश

कोरबा अम्बिकावाणी- श्वेता हॉस्पिटल रिस्दी में हुई एक दुखद घटना ने पूरे कोरबा जिले को झकझोर कर रख दिया है। ग्राम गोढ़ी निवासी अंजली सिंह की प्रसव के बाद हुई मौत से न सिर्फ एक परिवार उजड़ गया, बल्कि एक नवजात शिशु अपनी माँ की ममता से भी वंचित हो गया। डॉक्टरों की कथित लापरवाही के चलते अंजली सिंह की जान चली गई, और अब वह मासूम माँ की गोद के बिना जीवन की शुरूआत कर रहा है।

सरपंच संघ ने जताई नाराजगी, सौंपा ज्ञापन

कोरबा सरपंच संघ ने इस दर्दनाक घटना को गंभीर मानते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। इसमें श्वेता हॉस्पिटल के प्रबंधन और चिकित्सकीय स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाते हुए कठोर दंडात्मक कार्रवाई की माँग की गई है। संघ का कहना है कि अस्पताल में न तो पर्याप्त महिला स्टाफ है, न ही जीवन रक्षक उपकरण, इसके बावजूद वहाँ लगातार प्रसव की प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

माँ की जान बच सकती थी, अगर होती तैयारी

संघ ने आरोप लगाया कि अंजली सिंह की हालत प्रसव के बाद लगातार बिगड़ती गई, और समय पर जरूरी मेडिकल संसाधन नहीं होने के कारण उसे अन्य नर्सिंग होम में रेफर किया गया। परंतु तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यह एक ऐसी त्रासदी है जिसमें डॉक्टरों की लापरवाही ने एक माँ की जान ले ली और एक नवजात को जीवनभर के लिए माँ के साए से महरूम कर दिया।

जबरन ऑपरेशन और शुल्क वसूली पर भी सवाल

शिकायत में यह भी कहा गया है कि निजी अस्पतालों में सामान्य प्रसव से बचते हुए अनावश्यक रूप से ऑपरेशन कर भारी शुल्क वसूला जा रहा है। ग्रामीण महिलाओं में इस कारण भय का माहौल बन गया है। श्वेता हॉस्पिटल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति भी नहीं है, जिससे स्थिति और चिंताजनक हो गई है।

निष्पक्ष जांच के लिए जिला से बाहर की टीम की माँग

सरपंच संघ ने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की है कि जिला अस्पताल में पदस्थ एक डॉक्टर (डॉ. मनियार कुजूर) की भूमिका के कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हेरफेर की आशंका बनी हुई है। अतः उन्होंने माँग की है कि मामले की जांच जिला से बाहर के विशेषज्ञों की टीम द्वारा की जाए ताकि निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

नवजात की आंखों में माँ की तलाश है: सरपंच संघ

संघ के अध्यक्ष विजय कुमार मांझवार ने कहा कि एक नवजात अब माँ की ममता से वंचित हो गया है और यह सिर्फ एक परिवार नहीं, पूरे समाज के लिए चेतावनी है। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि दोषियों पर तत्काल और कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी और बच्चे को माँ की गोद से वंचित न होना पड़े।

कलेक्टर ने बरपाली तहसील कार्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

राजस्व प्रकरणों के निराकरण स्थिति का जानकारी लेते हुए लंबित आवेदनों को शीघ्रता से निराकृत करने के दिए निर्देश

कोरबा अम्बिकावाणी । कलेक्टर अजीत वसंत ने आज कोरबा विकासखंड के बरपाली तहसील कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने तहसील कार्यालय के विभिन्न शाखाओं के अवलोकन करते हुए राजस्व प्रकरणों के निराकरण प्रगति की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने सभी प्रकरणों को समय सीमा में निराकृत करने एवं आगंतुकों को राहत पहुँचाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने न्यायालय तहसीलदार, न्यायालय नायब तहसीलदार, रीडर कक्ष सहित अन्य शाखाओं का निरीक्षण करते हुए ई-कोर्ट के कार्य, सीमांकन, बटांकन, नामांतरण, सहित अन्य राजस्व प्रकरणों की मदवार जानकारी लेते हुए तहसीलदार को सभी लंबित प्रकरणों का यथाशीघ्र जांच पूर्ण कर निराकृत करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने सभी प्रकरणों को ऑनलाइन अपडेट कराने के लिए कहा। साथ ही पेशी की तारीख का भी शत प्रतिशत ऑनलाइन अद्यतन कराने की बात कही। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिक से अधिक प्रकरणों का ०६ माह के भीतर निराकरण करें। धारा २५० (कब्जा से सम्बंधित प्रकरण) के आवेदनों का भी शीघ्रता से निराकरण करने की बात कही। कलेक्टर ने अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए कार्यालय आने वाले लोगों की समस्याओं को गम्भीरता से सुनने और राहत दिलाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

इस दौरान कलेक्टर ने नवनिर्मित बरपाली के तहसील भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सम्पूर्ण भवन परिसर का अवलोकन करते हुए पूर्ण हो चुके नवीन तहसील भवन में एक सप्ताह के अंदर तहसील कार्यालय को संचालित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम कोरबा सरोज महिलांगे, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कोल इंडिया अधिकारियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिलेगा शानदार बोनस

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

कोल इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों के वित्तीय वर्ष २०२३-२४ के परफॉर्मेंस रिलेटेड पे यानी प्रदर्शन आधारित बोनस का रास्ता साफ हो गया है। कंपनी प्रबंधन ने इसके भुगतान को लेकर निर्देश जारी कर दिए हैं। पीआरपी का यह वितरण किटी फैक्टर के आधार पर होगा, और इसमें कोल इंडिया की मुख्य कंपनी के साथ-साथ उसकी सभी अनुषंगी कंपनियों के अधिकारी शामिल होंगे। यानी जिनका प्रदर्शन शानदार रहा है, उन्हें मोटा बोनस मिलेगा। दरअसल हाल ही में कोयला मंत्रालय के तहत आने वाली सभी कंपनियों का एमओयू स्कोर और रेटिंग जारी की गई है। इसमें कोल इंडिया की आठ अनुषंगी कंपनियों में से सात को एक्सीलेंट रेटिंग मिली है। बीसीसीएल, सीएमपीडीआई और एनसीएल ने तो प्रदर्शन के मामले में बाजी मार ली है, तीनों टॉप पर हैं। हालांकि इस दौड़ में इसीएल पिछड़ गया है। उसे केवल ५७.५३ स्कोर मिला और रेटिंग अच्छी रही, जिससे उसके अधिकारियों को मिलने वाला बोनस अपेक्षाकृत कम होगा। एमओयू स्कोर और रेटिंग रिपोर्ट केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अधीन लोक उद्यम विभाग ने जारी की थी, जिसमें ८४ केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। इसमें कोल इंडिया को इस बार ९३.५ स्कोर के साथ एक्सीलेंट रेटिंग मिली है, जो कि पिछले साल की वेरी गुड रेटिंग से एक बड़ी छलांग है। पीआरपी का निर्धारण सीधे इसी रेटिंग से जुड़ा होता है। जितना बेहतर प्रदर्शन उतना बड़ा इनाम होगा, ऐसे में एक्सीलेंट रेटिंग पाने वाली कंपनियों के अधिकारियों की जेब इस बार और ज्यादा गर्म होने वाली है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रेलवे ने चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

रेलवे द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन करते हुए २२ मई से ५ जून तक पंद्रह दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें के अंतर्गत भारतीय रेल के सभी जोन, मंडल, स्टेशन और कार्यालयों में जन-जागरूकता की विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई। इस अभियान में रेलवे कर्मचारियों, यात्रियों, आम नागरिकों और अन्य साझेदारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्लास्टिक कचरे का आकलन, कचरे को अलग-अलग प्रकारों में छाँटना, प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की स्थिति की समीक्षा, स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रयास, तथा प्लास्टिक उपयोग में कमी हेतु जागरूकता प्रसार जैसे कदम शामिल थे।

५ जून को पर्यावरण संरक्षण को लेकर संकल्प दिलाया गया, जिसमें प्लास्टिक उपयोग में बदलाव, स्वच्छता और ऊर्जा बचत जैसे विषयों पर जोर दिया गया। रेलवे बोर्ड में यह संकल्प सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) द्वारा दिलाया गया, जिसमें अन्य बोर्ड सदस्य और जोनल रेलवे के महाप्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस अवसर पर रेलवे की वार्षिक पर्यावरण सततता रिपोर्ट भी जारी की गई। पूरे अभियान में लगभग १५० टन प्लास्टिक कचरे का सुरक्षित निपटान किया गया, १२३० से अधिक स्टेशनों पर पोस्टर व डिजिटल माध्यमों से जागरूकता फैलाई गई, ७४० से अधिक कार्यशालाएं आयोजित की गई, १२०० स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया, १८० से अधिक प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई और २३० नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर जन-जागरूकता को बल मिला।

भारतीय रेल पर्यावरणीय स्थायित्व को लेकर निरंतर प्रतिबद्ध है। वर्ष २०२५-२६ के लिए ७५० करोड़ रुपये की एक समग्र योजना को स्वीकृति दी गई है जो पर्यावरण से जुड़ी गतिविधियों को समर्पित है। अब तक ९८त्न ब्रॉड गेज मार्गों का विद्युतीकरण किया जा चुका है। ३५१२ स्टेशनों एवं सेवा भवनों पर सौर रूफटॉप की स्थापना के माध्यम से लगभग २२७ मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता सृजित की गई है।

सभी रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में १००त्न एलईडी लाइट्स की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, हाइड्रोजन ईंधन आधारित ट्रेनों के विकास, २०१४ से अब तक ९.७ करोड़ पौधारोपण, और यात्री कोचों में १००त्न बायो-टॉयलेट्स की स्थापना जैसे कदमों के जरिए रेलवे ने पर्यावरण की दिशा में ठोस पहल की है।

श्वेता हॉस्पिटल में प्रसव पश्चात महिला की मृत्यु- जांच दल गठित, 7 दिन में सौंपेगा रिपोर्ट

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले के सिविल लाइन रामपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोंढ़ी निवासी अंजली सिंह की श्वेता हॉस्पिटल (रिस्दी) में ऑपरेशन के बाद हुई मृत्यु के मामले ने स्वास्थ्य विभाग को सक्रिय कर दिया है। उक्त घटना ०१ जून २०२५ को हुई थी, जिसमें परिजनों ने चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर कोरबा के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा चार सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया है। जांच दल को ७ दिवस के भीतर तथ्यात्मक व निष्पक्ष जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। गठित जांच समिति में विशेषज्ञ चिकित्सकों को शामिल किया गया है, जो संपूर्ण चिकित्सकीय प्रक्रिया, संभावित लापरवाही तथा नियमों के पालन की गहन समीक्षा करेंगे।

जांच समिति के सदस्य इस प्रकार हैं- डॉ. (श्रीमती) सी.के. सिंह झ्र जिला परिवार कल्याण एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कोरबा, डॉ. प्रीतेश मसीह झ्र विशेषज्ञ मेडिसिन, स्व. बिसाहूदास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, कोरबा, डॉ. आदित्य सिसोदिया झ्र स्त्रीरोग विशेषज्ञ, एसोसिएट प्रोफेसर, स्व. बिसाहूदास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, कोरबा, डॉ. अतिक सिद्दीकी झ्र नोडल अधिकारी, नर्सिंग होम एक्ट, स्थानीय कार्यालय कोरबा प्रकरण में यदि चिकित्सकीय लापरवाही प्रमाणित होती है

विवाह समारोह के दौरान करेंट के संपर्क में आए किशोर की मौत

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम पार्वतीपुर निवासी १५ वर्षीय किशोर उमेश सिदार पिता देवेंद्र सिदार की करेंट के चपेट में आने से आकस्मिक मौत हो गई।जयनगर पुलिस ने परिजनो की सूचना पर मामले में मर्ग कायम किया है।बताया गया कि पार्वतीपुर निवासी देवेंद्र सिदार अपने रिश्तेदार हरिप्रसाद निवासी कोरिया के यहां विवाह समारोह शामिल होने अपने पुत्र उमेश सहित पत्नी के साथ शामिल होने पहुंचा था ।कल हरिप्रसाद के यहां से बारात पंडरी पानी गई थी शुक्रवार सुबह बारात लौटी थी इसी दौरान पंद्रह वर्षीय किशोर उमेश डीजे और लाइट को बंद करने के प्रयास के दौरान करेंट की संपर्क में आ गया,करेंट लगते ही वह मूर्क्षित होकर गिर पड़ा जिसके बाद घर में कोहराम मच गया परिजन उसे तत्काल बिश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे चिकित्सकों ने उसकी जांच की तब तक किशोर के प्राण पखेरू उड़ चुके थे।चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित करने के बाद परिजनो ने मामले की सूचना पुलिस को दी ,पुलिस ने शव पंचनामा पीएम उपरांत मामले में मर्ग कायम किया है।घटना से कोरया व किशोर के गांव पार्वतीपुर में शोक व मातम का माहौल निर्मित हो गया

विश्व पर्यावरण दिवस पर बालको द्वारा वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान का आयोजन, बालको ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पहल के माध्यम से सर्कुलर इकोनॉमी को दिया बढ़ावा

2023 से अब तक 200 मीट्रिक टन से अधिक प्लास्टिक कचरे का निपटान

कोरबा अम्बिकावाणी - वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व पर्यावरण दिवस २०२५ के अवसर पर पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए सशक्त अपशिष्ट प्रबंधन और सर्कुलर इकोनॉमी आधारित पहल को सुदृढ़ किया है। बालको ने अपने टाउनशिप में प्रभावी अपशिष्ट पृथक्करण प्रणाली लागू की है जिससे प्लास्टिक समेत अन्य कचरे का वैज्ञानिक और प्रभावी निपटान सुनिश्चित किया जा सके। रायपुर स्थित अपशिष्ट प्रबंधन साझेदार वेस्टेक इंडिया के सहयोग से कंपनी ने प्लास्टिक कचरे का पर्यावरण अनुकूल तरीके से निपटान सुनिश्चित किया है। प्रोसेस किए गए कचरे को सीमेंट उद्योगों में वैकल्पिक कच्चे माल के रूप में भेजा जाता है, जो बालको की सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने की दृष्टि के अनुरूप है। दिसंबर २०२३ में साझेदारी की शुरूआत के बाद से अब तक २०० मीट्रिक टन से अधिक प्लास्टिक कचरे (नया एवं पूर्ववर्ती कचरा दोनों) का सस्टेनेबल सह-प्रसंस्करण के माध्यम से निपटान किया गया है जो टाउनशिप के प्लास्टिक कचरे के १०० प्रतिशत निपटान को दशार्ता है।

बालको ने सॉलिड एंड लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट सेंटर (एसएलआरएम) की स्थापना की है। यहां घरेलू कचरे को १००० किलोग्राम क्षमता वाले इलेक्ट्रिक वाहनों से एकत्र किया जाता है और एसएलआरएम यूनिट में इसे रंग-बिरंगे डिब्बों की सहायता से जैविक और अजैविक कचरे में पृथक किया जाता है। जैविक कचरे को खाद में बदला जाता है, जबकि प्लास्टिक कचरे को वेस्टेक इंडिया को भेजा जाता है ताकि उसका जिम्मेदार सह-प्रसंस्करण द्वारा निपटान हो सके। यह प्रणाली वैज्ञानिक निपटान, संसाधन पुनर्प्राप्ति और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देती है। इस प्रक्रिया को सफल बनाने हेतु नियमित प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से निवासियों को घर-स्तर पर कचरा पृथक्करण और प्लास्टिक के विकल्पों के उपयोग हेतु प्रेरित किया जाता है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा ने कहा कि बालको में सस्टेनेबिलिटी हमारे कार्य संस्कृति का हिस्सा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हम जिम्मेदार कचरा प्रबंधन एवं सर्कुलर इकोनॉमी समाधानों को अपनाकर अपने पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को मजबूत कर रहे हैं।च्प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करनाज थी को ध्यान में रखते हुए हम प्लास्टिक के सस्टेनेबल विकल्प अपना रहे हैं तथा साझेदारियों के माध्यम से पर्यावरण-संवेदनशील और जिम्मेदार निपटान की दिशा में कार्य कर रहे हैं। पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने के लिए इस साल भी कंपनी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपने संयंत्र परिसर और टाउनशिप में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। इसमें ३०० से अधिक कर्मचारियों और समुदाय के सदस्यों ने हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर ६०० से अधिक पौधों का रोपण किया तथा जागरूकता रैली और स्वच्छता अभियान में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह पहल एक स्वच्छ और हरित भविष्य के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को दशार्ती है। साथ ही बालको अपने संयंत्र और समुदाय में पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। इस उद्देश्य से कंपनी ने कई सराहनीय कदम उठाए हैं, जिनमें संयंत्र परिसर और टाउनशिप में सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने हेतु कपड़े के थैलों का वितरण, पर्यावरण अनुकूल ब्रांडिंग और संचार के लिए फैब्रिक सामग्री का उपयोग, संयंत्र परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने का प्रयास, सभी सीएसआर उत्पाद के लिए कागज आधारित पैकेजिंग का प्रयोग तथा जागरूकता अभियान शामिल हैं।

ये सभी प्रयास बालको की हरित भविष्य और जिम्मेदार नागरिकता की दिशा में प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं, जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय प्रभाव को न्यूनतम करना, संसाधनों का कुशल उपयोग करना और समुदाय के कल्याण को बढ़ावा देना है। वैश्विक पर्यावरण लक्ष्यों के अनुरूप संचालन के माध्यम से बालको भारत को एक सस्टेनेबल और सर्कुलर अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

> अगर मुझे अंधेरे से बहुत डर लगता है तो अपनी आंखें बन्द कर लेना समझदारी नहीं है।
>
> 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

मोबाइल उपभोक्ताओं को कॉल कनेक्ट में समस्या

कॉल करने में दिक्कत के अलावा अचानक फोन कटने की भी शिकायतें आम हैं। जिससे उपभोक्ताओं को बार-बार डेटा/वाई-फाई कॉल यानी व्हाट्सएप, फेसटाइम या स्काइप करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। डाटा फॉर इंडिया के मुताबिक बीते साल ही भारत में हर सौ लोगों पर 81 मोबाइल कनेक्शन हो चुके हैं। हालांकि इसमें कई लोगों के पास दो से ज्यादा कनेक्शन भी हो सकते हैं। फिर भी अंदाजन इस वक्त 84त्न से अधिक भारतीयों के पास मोबाइल कनेक्शन है, जिसमें स्मार्ट फोन उपभोक्ताओं की संख्या 2026 में सौ करोड़ पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। इंटरनेट के प्रयोग और रोजमर्रा में फोन की आवश्यकता ने नौजवानों को मोबाइल कनेक्शन के प्रति बेहद आकृष्ट किया है। आंकड़ों के अनुसार दुनिया के शीर्ष दस दस विकसित देशों की तीन चौथाई आबादी के हाथ में स्मार्टफोन है। बावजूद इसके कंपनियां उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देने में बुरी तरह नाकाम हैं। इसके लिए सरकार का लापरवाह रवैया भी कम दोषी नहीं कहा जा सकता। उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम होने के बावजूद कंपनियों द्वारा लगातार उनकी उपेक्षा की जाती है। फोन कनेक्शन बढ़ने से उत्साहित टेलीकंपनियों को अपनी सेवाओं को लेकर सतर्क और जवाबदेह बनना होगा। किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान के उत्तरदायित्वों के निर्वहन में होने वाली कोताही के प्रति सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। यदि फोन कंपनियों का इन्फ्रास्ट्रक्चर यह भार सहन करने में सक्षम नहीं है तो वे नये कनेक्शन तब तक देने में हाथ सिकोड़ सकती हैं। जब तक उनका सिस्टम सटीक नहीं हो जाता। जब तारों द्वारा जोड़े जाने वाले लैंड लाइन होते थे, तब लाइन्स सीमित होने के कारण व्यस्त समय में उपभोक्ताओं को सभी लाइनें व्यस्त हैं, जैसी सूचना देने की सुविधाएं थीं। अब तमाम तकनीकी सुविधाओं और मोटी रकम चुकाने वाले उपभोक्ता को फोन कंपनियों की यह जानबूझकर की जा रही लापरवाही क्यों बर्दाश्त करनी पड़ रही है। सरकार और दूरसंचार मंत्रालय को इस पर कड़े कदम उठाने

लोकल सर्किल्स के सर्वेक्षण से पता चला है कि 89त्न मोबाइल उपभोक्ताओं को कॉल कनेक्ट होने में समस्या हो रही है। इनमें से 40त्न ने अक्सर ऐसी स्थिति का सामना करने की बात की। देश के 342 जिलों के रहवासियों से सव्रेक्षण में छप्पन हजार से अधिक प्रतिक्रियाएं ली गई।

आतंक की बर्बर हिंसक गतिविधियों से कई देश पीड़ित

अखिलेश आर्येन्दु

दुनिया में सबसे विकट, गंभीर और बर्बरता का पर्याय आतंकवाद वर्षो से मानवता का विध्वंसक बना हुआ है। आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर इससे अत्यंत गंभीर समस्याएं पैदा हुई हैं। अमेरिका, अफ्रीका, रूस, फ्रांस, जर्मन, जापान जैसे विकसित देश तो आतंक की बर्बर हिंसक गतिविधियों से पीड़ित हैं ही, तकरीबन सभी एशियाई मुल्क, जिनमें भारत सबसे ज्यादा प्रभावित है, भी इससे त्रस्त हैं।

भारत आंतरिक और विदेशी (बाह्य) आतंकवाद, दोनों से गंभीर रूप से पीड़ित है। भारत में आतंकवाद के कई कारण और रूप हैं, जिनमें राजनीतिक कारण सबसे अहम है, जिसमें अलगाववादी आंदोलन, जातीय संघर्ष, सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव और पड़ोसी देश द्वारा सीमा से आतंकवादियों की घुसपैठ करा कर आतंकवाद फैलाना शामिल हैं। धर्म या मजहब के नाम पर भी कट्टरपंथी सोच और हिंसा भी आतंकवाद का महत्त्वपूर्ण कारण है। वैचारिक मतभेद, हिंसा द्वारा विचारधारा को फैलाने के हथियार के रूप में इसका इस्तेमाल आम है। सामाजिक-आर्थिक असमानता भी आतंकवाद की वजह रही है जैसे नक्सलबाड़ी से जन्मा वामपंथी नक्सलवाद जो बाद में हथियारबंद तथाकथित आंदोलन बन गया।

पिछले चार दशकों से भारत में अनेक दुर्दांत आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। ग्यारह राज्यों में दशकों से वामपंथी नक्सलवाद हिंसक गतिविधियां चलाता रहा है, जिसमें हजारों लोग और पुलिस बल (सेना के जवान भी) शिकार हुए हैं। सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देने वाले और धर्म व मजहब के नाम पर हिंसा करने वाले अपनी बात जबरन मनवाने वाले संगठन भारत में अराजकता फैलाने का काम करते रहे हैं। कुछ राज्यों में आतंकवाद की वजह से उद्योग, पर्यटन और दूसरे तमाम क्षेत्रों में रोजगार में कमी आई है। इससे शासन और सरकार की स्थिरता पर भी गहरा असर रहा है साथ में, देश भर में अराजकता का माहौल पैदा करने की इनकी कोशिश जगजाहिर है।

यह देशों के बीच संघर्ष और तनाव पैदा करने का काम भी करता है। भारत में 2014 के पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल की सीमा से आतंकवादी घुसपैठ करते थे और बड़े पैमाने पर भारत में तकरीबन सभी राज्यों में बम विस्फोट और हिंसा की बर्बर घटनाएं आये दिन होती थीं, जिससे बड़ी तादाद में जान-माल का नुकसान होता था। कहना न होगा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद कानून व्यवस्था हर तरह से चाक-चौबंद की गई और आतंकवादी घटनाओं पर कुछ ही महीने में काबू पा लिया गया लेकिन जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादियों की घुसपैठ पूरी तरह खत्म नहीं हुई। इसी दौरान धारा 370 खत्म की गई और जम्मू-कश्मीर को पुनर्गठित कर तीन केंद्रशासित प्रदेशों कश्मीर, जम्मू और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया।

केंद्र सरकार के पिछले दस वर्ष आजादी के इतिहास में कई विकट समस्याओं के समाधान करने वाले रहे हैं। यह सरकार की नीतियों में आमूलचूल बदलाव से ही संभव हुआ है। विदेश नीति के मामले निर्गुट नीति की जगह 'सर्वगुटइ नीति को अपनाया गया। गौरतलब है कि 1947 से 2013 तक भारत की विदेश नीति निर्गुट, समझौतावादी और हिंसा का जवाब अहिंसा से देने की रही। यही वजह है कि पिछले चार दशकों से अधिक समय से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और घुसपैठ की घटनाएं भारत में लगातार जारी रहीं। पानी की तरह पैसा बहा कर भी धारा 370 के लागू रहने की वजह से केंद्र का यहां सीमित हस्तक्षेप था, जिसकी वजह से आतंकवाद लगातार फूलता-फलता रहा। जाहिर तौर पर पिछले कई दशकों से आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है। यूं तो भारत में आतंकवादी गतिविधियां 50 के दशक में ही बड़े पैमाने पर चालू हो गई थीं।

विश्व भर में 1950 के दशक में हुए वामपंथ के उत्थान के बाद आतंकवादी गतिविधियां दुनिया के तमाम मुल्कों में देखी जाने लगी थीं जिनकी जद में यूरोप, अमेरिका, जापान, जर्मनी और भारत जैसे अनेक देश आए लेकिन भारत में आतंकवाद सबसे ज्यादा गंभीर, मुखर और बर्बर गतिविधियों के एक विस्तृत स्वरूप में जारी रहा है।

इसलिए 1967 में गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, बनाया गया। बाद में इस अधिनियम को संशोधित किया गया जिसमें संघीय सरकार को संगठनों और व्यक्तियों को 'आतंकवादी के रूप में नामित करने की शक्ति मिली है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (एनएसए) भी अत्यंत कारगर है जिसमें अधिनियम अधिकारियों को आतंकवादियों से ताल्लुक रखने वाले गुटों के सदस्यों को बिना किसी प्रदर्शन के घोषित अवधि के लिए हिरासत में रखने की अनुमति देता है। फिर पोटा कानून बनाया गया लेकिन 2002 में इसे निरस्त कर दिया गया। आतंकवादी एवं विघटनकारी गतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम (टाडा) 1985 में लागू किया गया जिसे 1995 में निरस्त कर दिया गया।

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के विभिन्न प्रावधानों का भी इस्तेमाल किया जाता है। आतंकवादी गतिविधियों को रोकने में आर्म्स एक्ट लागू है, जो आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाले हथियारों के संबंध में लागू किया जाता है। इसी क्रम में विस्फोटक अधिनियम कानून भी लागू है, जो विस्फोटक चीजों के इस्तेमाल से संबंधित मामलों से ताल्लुक रखता है। कुछ राज्यों ने आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए कानून बनाए हैं, जिनमें महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य शामिल हैं, जिनके जरिए आतंकवाद को रोकने का कार्य किया जाता है। आतंकवाद मानवता विरोधी, कानून विरोधी, समाज विरोधी, धर्म विरोधी (मानव मूल्यों के क्षरण) बर्बर गतिविधियों की पहचान के साथ दुनिया भर में जारी है।

दुनिया में आतंकवाद जिस तेजी से बढ़ा है, और हजारों आतंकवादी संगठन और गुट इसमें लिप्त हैं, ऐसे हालात में भारत के सामने आतंकवाद खत्म करने की बहुत बड़ी चुनौती है। इस चुनौती को दुनिया के उन सभी देशों को स्वीकार करने की जरूरत है, जो आतंकवाद के खतरे से कई तरह से पीड़ित हैं। देखना यह होगा कि भारत के सामने आतंकवाद की जो चुनौती है, उससे पार पाने में दुनिया के कौन-कौन से देश खुल कर भारत का साथ देते हैं।

अरावली पहाड़ का उजड़ना चिंताजनक

पंकज चतुर्वेदी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में बीते कुछ दिनों से गर्मी के साथ आकाश में छाए धूल के गुबार ने सांस के मरीजों के लिए जीवन का संकट खड़ा कर दिया है। हरियाणा के भिवानी में बवंडर ऐसा था कि दृश्यता 200 मीटर नहीं रह गई थी। रेत के तूफान ने राजस्थान के बीकानेर में भी लोगों को भयभीत किया वहां धूल ने सूरज को ढंक दिया और 455 डिग्री की गर्मी को घुटन में बदल दिया। कहने की जरूरत नहीं कि यह रेतीली आंधी पाकिस्तान से उठी थी।

वैसे तो हर साल मानसून आने से पहले दिल्ली और उत्तर-पश्चिम भारत में ऐसे धूल भरे तूफान आना आम है। इस मौसम में सऊदी अरब और कभी-कभी सहारा जैसे दूरदराज के इलाकों से उठने वाली धूल पश्चिमी हवाओं के जरिए यहां तक पहुंच जाती है। चिंता की बात यह है कि इस तरह के धूल भरे अंधड़ की संख्या और दायरा साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। समझना होगा कि यह सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन का प्रभाव है। 2015 के बाद से ऐसे अंधड़ों की संख्या बढ़ती जा रही है। अंधड़ से जान-माल का नुकसान तो होता ही है, सार्वजनिक संपत्तियों को भी खासा नुकसान होता है। अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'अर्थ साइंस इंफोरमैटिक्सइ में प्रकाशित एक शोध में चेतावनी दी जा चुकी है कि अरावली पर्वतमाला में पहाडि ?ों के गायब होने से राजस्थान में रेत के तूफान में वृद्धि हुई है। भरतपुर, धौलपुर, जयपुर और चित्तौडगढ़ जैसे स्थानों, जहां अरावली पर्वतमाला पर अवैध खनन, भूमि अतिक्रमण और हरियाली उजाड़ने की अधिक मार पड़ी है, को सामान्य से अधिक रेतीले तूफानों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर एल के शर्मा और पीएचडी स्कॉलर आलोक राज के अध्ययन 'असेसमेंट ऑफ लेंड यूज डायनामिक्स ऑफ द अरावली यूजिंग इंटीग्रेटेड में कहा गया है कि गांठ बांध लें कि दिल्ली, राजस्थान के गैर-मरु स्थलीय जिलों और हरियाणा का अस्तित्व अरावली पर टिका है, और अरावली को नुकसान का अर्थ है कि देश के अन्न के एक कटोरे पंजाब तक बालू के धोरों का विस्तार। रेत के बवंडर खेती और हरियाली वाले इलाकों तक न पहुंचें, इसके लिए सुरक्षा-परत या शील्ड का काम हरियाली और जल-धाराओं से संपन्न अरावली पर्वतमाला सदियों से करती रही है। इसरो का एक शोध बताता है कि थार रेगिस्तान अब राजस्थान से बाहर निकल कर कई राज्यों में जड़ें जमा रहा है। सनद रहे कि राजस्थान से सुदूर पाकिस्तान और उससे आगे तक फैले भीषण रेगिस्तान से हर दिन लाखों टन रेत उड़ती है। खासकर गर्मी में यह धूल पूरे परिवेश में छा जाती है। मानवीय जीवन पर इसका दुष्परिणाम ठंड में दिखने वाले स्मोग से अधिक होता है। विडंबना है कि बीते चार दशकों में यहां मानवीय हस्तक्षेप और खनन इतना बढ़ा है कि कई स्थानों पर पहाड़ की श्रृंखला की जगह गहरी खाई हो गई और इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि उपजाऊ जमीन पर रेत की परत का विस्तार हो रहा है।

गुजरात के खेड ब्रह्म से शुरू हो कर कोई 692 किमी. तक फैली अरावली पर्वतमाला का विसर्जन देश के सबसे ताकतवर स्थान रायसीना हिल्स पर होता है, जहां राष्ट्रपति भवन स्थित है। अरावली पर्वतमाला को कोई 65 करोड़ साल पुराना माना जाता है, और इसे दुनिया के सबसे प्राचीन पहाड़ों में गिना गया है। ऐसी महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संरचना का बड़ा हिस्सा बीते चार दशक में पूरी तरह न केवल नदारद हुआ, बल्कि कई जगह उत्तुंग शिखर की जगह डेढ़ सौ फुट गहरी खाई हो गई। असल में अरावली पहाड़ रेगिस्तान से चलने वाली आंधियों को रोकने का काम करते रहे हैं, जिससे एक तो मरूभूमि का विस्तार नहीं हुआ दूसरा इसकी हरियाली, साफ हवा और बरसात का कारण बनती रही। एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में छपी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में कई अन्य पहाड़ियों के अलावा, ऊपरी अरावली पर्वतमाला की हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में कम और मध्य ऊंचाई की कम से कम 31 पहाड़ियां गायब हो गई हैं। ऊपरी स्तर पर पहाड़ियों का गायब होना नरैना, कलवाड़, कोटपूतली, झालाना और सरिस्का में समुद्र तल से 200 मीटर से 600 मीटर की ऊंचाई पर दर्ज किया गया था। याद करें कोई तीन साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार से पूछा था कि आखिर, कौन हनुमान जी ये पहाड़ियां उठा कर ले गए? 1975-2019 के दौरान किए गए एक अध्ययन में पता चला कि वन क्षेत्र में सघन बस्तियां बस जाना पहाड़ियों के गायब होने के प्रमुख कारणों में से एक था।

इस अध्ययन के परिणामों से पता चला है कि 1975-2019 के बीच अरावली की 3676 वर्ग किमी. भूमि बंजर हो गई। ऐसे हालात में अंधड़ की मार का दायरा बढ़ेगा। अरावली पहाड़ का उजड़ना अर्थात वहां जंगल और जल निधियों के उजड़ने, दुर्लभ वनस्पतियों के लुप्त होने के दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं।

तेंदुए, हिरण और चिंकारा भोजन के लिए मानव बस्तियों में प्रवेश करते हैं, और मानव-जानवर टकराव के वाकिये बढ़ रहे हैं।

राष्ट्र की बात आती है तब दल नहीं योग्यता प्रमुख

परमाणु बम की धमकी एवं गीदड़ भभकी देने वाले पाकिस्तान की हालत चार दिन की जंग के बाद ही खस्ता हो गई और जब भारत ने उसके तेरह में से ग्यारह एयरबेस क्षतिग्रस्त कर दिए और कम से कम छह पूरी तरह तबाह कर दिए व उसकी मिसाइलें एवं लड़ाकू विमान मार गिराए तथा ब्रह्मोस का प्रयोग करते हुए (यदि मीडिया की रिपोर्ट को सच मानें तो) उसे परमाणु बम के उपयोग करने की संभावना से भी वंचित कर दिया तब आनन फानन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्वीट करके दुनिया को इस संघर्ष विराम या सीजफायर की जानकारी दी तो एक तरह से दक्षिण एशिया एवं दुनिया ने राहत की सांस ली। वहीं यदि ट्रंप के वक्तव्य को मानें तो लाखों लोग मरने से बचे। लेकिन यहीं से देश में राजनीतिक उठापटक शुरू हो गई। विपक्ष ने मुखर होकर पूछा कि ऐसे क्या कारण थे जिनकी वजह से अचानक ही संघर्ष विराम की घोषणा करनी पड़ी और विभिन्न कोणों से सरकार पर जब हमले हुए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 12 मई को देश को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर समाप्त नहीं हुआ है। अभी तो उसे केवल स्थगित किया गया है। उन्होंने कड़े शब्दों में पाकिस्तान एवं आतंकवादियों सहित दूसरे देशों को भी चेतावनी दे दी कि भारत के आंतरिक मामलों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप सहन नहीं किया जाएगा तथा आतंक की किसी भी घटना को 'एक्ट ऑफ वॉरइ समझा जाएगा जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भले ही सरकार एवं विभिन्न रक्षा विशेषज्ञों की दृष्टि में भारत का पलड़ा इस संघर्ष में भारी रहा तथा पाकिस्तान को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा लेकिन दुनिया में अपना पक्ष रखना भी बहुत जरूरी था। इसलिए भारत सरकार ने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया जिनका नेतृत्व जाने-माने नेताओं को सौंपा गया। 59 सदस्यों वाले इन साथ प्रतिनिधिमंडलों में लगभग सभी प्रमुख दलों के सदस्यों को शामिल किया गया लेकिन विवाद तब उठ खड़ा हुआ जब कांग्रेस ने अपनी ही पार्टी के नेता शशि थरूर को अमेरिका जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेता चुने जाने के बावजूद इस पर आपत्ति दर्ज कराई।

कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया कि जिन चार नेताओं के नाम कांग्रेस ने दिए थे उनमें से केवल आनंद शर्मा को ही प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया है, और सरकार में अपनी मर्जी से ही शशि थरूर एवं सलमान खुर्शीद जैसे नेताओं को कांग्रेस का प्रतिनिधि बना कर भेजने का निर्णय लिया जो उसके लिए आपत्तिजनक है। एक तरह से देखें तो कांग्रेस का पक्ष अनुचित नहीं है क्योंकि हर दल को अपने उपयुक्त नेता को ऐसे प्रतिनिधिमंडलों में शामिल कराने का अधिकार है, लेकिन सरकार का कहना है कि उसने ऐसी कोई सूची मांगी ही नहीं थी तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए जिन नेताओं को उसने योग्य पाया उनका चयन इन प्रतिनिधिमंडलों में किया गया है। 0 डॉ. घनश्याम बादल

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1338

संकेत: बाएं से दाएं

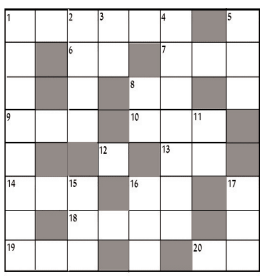

1. भारत का सबसे अधिक राज्यों के साथ सीमा (8 राज्य)बनाने वाला राज्य (6)
6. आनंद, सुख, लुत्फ, स्वाद, रस (2)
7. कामदेव, मनोज, रतिपति (3)
8. स्थिति, अवस्था, हालत (2)
9. कलिंद पर्वत से निकलने के कारण इस नदी का एक नाम कालिंदी भी है (3)
10. भारयुक्त होना, भारी वस्तु का दूसरी वस्तु पर बोझ के रूप में रखा जाना (3)
12. ग्रीष्म ऋतु में चलने वाली तप्त हवा (1)
13. पुत्र, सुत, पूत (2)
14. औलाद, पुत्र या पुत्री, संतति (3)
16. तरकारी, हरी सब्जी, भाजी (2)
18. जख्म पर लगाया जाने वाला गाढ़ा और चिकना लेप (4)
19. गिरवी रखने का भाव या क्रिया रहने का ढ़ंग (3)
20. पकाकर उबालकर बनाया हुआ चावल (2)

ऊपर से नीचे

1. हिंदु धर्म के सोलह संस्कारों में से एक जिसमें यज्ञोपवीत धारण किया जाता है (8)
2. हिंडोले पर झूलना, पेंगे मारना, झमते हुए चलना (4)
3. अवाम, पब्लिक, रिआया, रैयत (2)
4. पुरानी फिल्मों की पार्श्व गायिका जिन्होंने हिंदी पके अलावा बंगाली, मराठी, गुजराती, तमिल एवं पंजाबी भाषाओं में लगभग 6000 से अधिक गाने गाए है (7)
5. कपि, बंदर (3)
8. समूह, गुट, पंखुडी, गिरोह (2)
11. छोटे कद का, ठिगना, बौना (2)
15. प्रणाम, नमस्कार, अभिवादन करने की क्रिया (3)
16. हिम्मत, पराक्रम, बहादुरी (3)
17. उचित से अधिक, यथेष्ट, अधिक मात्रा में , ज्यादा (3)

वर्ग पहेली 1337 का हल

ब	र	ग	द		ग	ठि	या
ल	त	म	र्द	न		ग	म
दे		क		व	र	ना	
व	क्ष		स	जी	व		श्या
	मा	मा		व		सो	म
	प्र	ह	स	न		ह	ल
	दा	वा			रा	ब	
वा	न	र		बे	ह	त	र

एकदा

रूस यूक्रेन युद्ध में अब ट्रंप नहीं घुसेंगे, पॉप फ्रांसिस लियो पर जिम्मेदारी छोड़ी

यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप ने रूस यूक्रेन युद्ध से अपने आप को अलग कर लिया और जिम्मेदारी पॉप फ्रांसिस लियो पर छोड़ दी है। उल्लेखनीय है कि यूएस प्रेसिडेंट चुने जाने पर उन्होंने कहा था कि रूस यूक्रेन युद्ध समाप्त होगा। लेकिन चार महीने कोशिश करने के बाद रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने ट्रंप को एक मझे हुए खिलाड़ी की तरफ बेबस कर दिया।इस घटना को अंतराष्ट्रीय बिरादरी में अमेरिका की विदेश नीति की धज्जियां उड़ गई हैं। यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप ने चाइना से भी टैरिफ बार में समझौता कर लिया। पिछले चार महीनों में जो कुछ ट्रंप ने करने की कोशिश की वह फलीभूत नहीं हुई। दूसरी ओर युक्रेन के राष्ट्रपति जिलेशकी को यूरोप का पूरा समर्थन मिल रहा है। यूरोपीय संघ ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने की घोषणा कर दी है।

यूरोपीय देशों ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली,में ट्रंप को लेकर बहुत ही अनिश्चिता का भाव है।उद्यपि ये देश नाटो के सदस्य हैं लेकिन इन दिनों नाटो का नेता अमेरिका ही विचित्र माहौल बना रहा है। ट्रंप पर से भरोसा उठता जा रहा है।पुतिन अपनी शर्तो पर युद्ध विराम चाहते हैं उनकी एक ही शर्त है कि किसी भी कीमत पर युद्ध में विजय भूभाग यूक्रेन को बापिस नहीं करेंगे और हजार्ना भी बसूल करेंगे।अब यह युद्ध खत्म नहीं होने जा रहा है क्योंकि पुतिन अब आक्रामक मुद्रा में हैं।

0 अजय दीक्षित

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

चौघड़िया

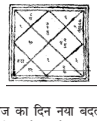

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि : आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, अचानक धन लाभ होगा जिससे आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा।

वृष राशि : आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है। पहले किया हुआ काम आज पूरा हो जायेगा। जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाये रखें और समय के साथ चलें। अपने जज्बात काबू में रखें फायदा होगा। आज आपको तरक्की के नये रास्ते मिलेंगे।

मिथुन राशि : आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ हैं। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। साझेदारी करना आज आपके लिये फायदेमंद रहेगा। जमीन से जुड़ा बड़ा मामला सुलझ जायेगा। आज ऑफिस में नई पहल करने के लिये दिन अच्छा है।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। रूका हुआ काम अपनों की मदद से पूरा हो जायेगा।

सिंह राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग गुप्त रखेंगे, तो सफलता जरूर हासिल होगी। आज आपके सोचे हुए काम पूरे हो जायेंगे। किसी काम में निवेश करने से पहले अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर लें।

कन्या राशि : आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेगा, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है,

तुला राशि : आज किस्मत आपका पूरा साथ देगी। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेंगे, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बाते सामने आएंगी, जो भविष्य में फायदेमंद रहेगी। आज आपका स्वास्थ्य बेहतरीन रहने वाला है।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे है तो फायदा होने वाला है। यात्रा पर जाने से पहले सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखना न भूलें। आज कार्यो को लेकर किया गया कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आज आपका आकर्षक व्यक्तित्व लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचेगा।

धनु राशि : आज का दिन अनुकूल रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगें तो आपको फायदा जरूर होने वाला है। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नती का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं।

मकर राशि : आज का दिन नई सौगात लेकर आया है। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस-पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगें। इस राशि के जो लोग पयर्टन से जुड़े हैं, उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है।

कुंभ राशि : आज आपका मन अध्यात्म में लगा रहेगा। आज ऑफिस में आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के नवविवाहित दंपत्ति को आज किसी सामाजिक समारोह जाना पड़ सकता है। जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जायेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर रहेगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीजें सुधर रही हैं। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी-मजाक होगा साथ ही बीच में किसी बात को लेकर चर्चा भी करेंगे।

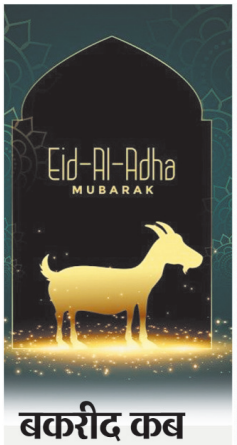

बकरीद कब है, 6 या 7 जून, सही तारीख और महत्व

बकरीद या ईद-उल-जुहा इस्लाम के प्रमुख त्योहारों में से एक है। भारत में बकरीद की तारीख सऊदी अरब में चांद दिखने पर निर्भर करती है। बकरीद इस्लाम में अल्लाह के प्रति पूर्ण निष्ठा और बलिदान का प्रतीक है। ऐसे में आइये जानते हैं कि भारत में बकरीद कब मनाई जाएगी और ईद-उल-जुहा का त्योहार मनाने के पीछे की मान्यता क्या है।

बकरीद या ईद-उल-अधा या ईद-उल-जुहा को लेकर मुस्लिम समुदाय में बेसब्री से इंतजार है। इस साल बकरीद कब मनाई जाएगी, भारत में बकरीद का चांद कब दिखेगा, इसे लेकर लोगों में दिलचस्पी है। इस्लाम के प्रमुख त्योहारों में से एक बकरीद इस्लामिक कैलेंडर के हिसाब से जिल हिज्ज महीने की 10 तारीख को मनाई जाती है। आइये जानते हैं बकरीद कब है और ये क्यों मनाई जाती है।

बकरीद किस दिन मनाई जाएगी

भारत में बकरीद की तारीख सऊदी अरब में चांद दिखने के आधार पर तय होती है। इस्लामिक कैलेंडर के 12वें महीने जुल हिस्सा का चांद सऊदी अरब में 27 मई को देखा गया था। ऐसे में वहां ईद उल अजहा यानी बकरीद की तारीख 6 जून तय हुई है। भारत में स्थानीय स्तर पर चांद देखा जाता है जिसमें एक दिन की देरी होती है ऐसे में भारत में बकरीद 7 जून को मनाई जाएगी।

बकरीद क्यों मनाई जाती है

इस्लाम धर्म की मान्यता के अनुसार, बकरीद अल्लाह के प्रति निष्ठा और पूर्ण समर्पण जताने के लिए मनाई जाती है। यह कुर्बानी का त्योहार है, इसमें अपनी किसी प्रिय चीज को अल्लाह को दे दिया जाता है। बकरीद का त्योहार पैगंबर इब्राहिम की कुर्बानी की याद में मनाया जाता है। इस्लामिक मान्यता के मुताबिक, अल्लाह ने पैगंबर इब्राहिम की परीक्षा लेनी चाही। तब उन्होंने अल्लाह के प्रति अपना समर्पण दिखाते हुए अपने बेटे इस्माइल को कुर्बान करने का फैसला किया। वह उन्हें सबसे प्रिय थे। बताया जाता है कि जब इब्राहिम अपने बेटे को कुर्बान करने लगे तभी अल्लाह ने उनकी निष्ठा देखकर इस्माइल की जगह एक भेड़ भेज दिया और इस्माइल की जान बचा ली। यह घटना अल्लाह के प्रति पूर्ण समर्पण और बलिदान की भावना का प्रतीक है।

बकरीद का महत्व

इसके बाद से मुसलमान बकरीद पर अपने सामर्थ्य के अनुसार जानवर की कुर्बानी देते हैं। इसमें कुर्बानी के मांस को तीन हिस्सों में बांट दिया जाता है। पहला जरूरतमंदों को दिया जाता है, दूसरा रिश्तेदारों और दोस्तों को भेजा जाता है और तीसरा हिस्सा अपने परिवार के लिए रखा जाता है। इसके अलावा बकरीद पर नमाज भी पढ़ी जाती है और अल्लाह से दुआ मांगी जाती है। साथ ही मुस्लिम समुदाय के लोग एक-दूसरे को गले लगाते हैं।

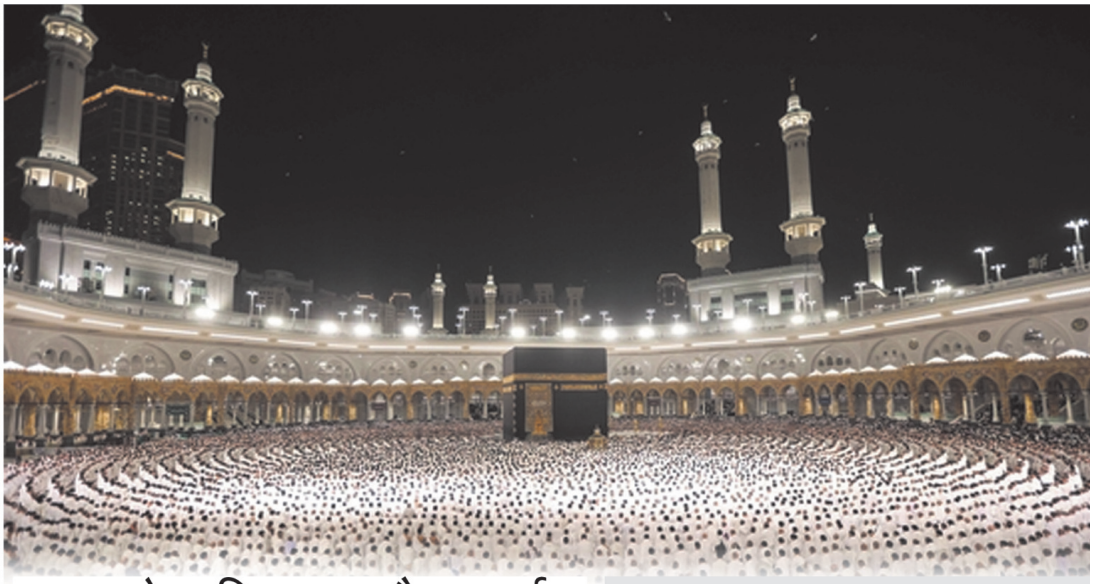

अल्लाह के प्रति त्याग और समर्पण का पर्व है बकरीद, इस्लाम में है कुर्बानी और बलिदान का महत्व

अक्सर लोगों के मन में बकरीद की कुर्बानी को लेकर कई तरह के सवाल होते हैं। दरअसल, यह त्योहार कुर्बानी की परंपरा के लिए जाना जाता है, जो अल्लाह के प्रति गहरे विश्वास और त्याग का प्रतीक है।

बकरीद, जिसे ईद-उल-अज़हा या ईद-उल-जुहा के नाम से भी जाना जाता है, इस्लाम धर्म का एक प्रमुख त्योहार है। यह पर्व हर साल इस्लामिक कैलेंडर के आखिरी महीने, जु-अल-हिज्जा की 10वीं तारीख को मनाया जाता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक, इस वर्ष 2025 में बकरीद 7 जून, शनिवार को मनाई जाएगी। यह त्योहार रमजान की समाप्ति के लगभग 70 दिनों बाद आता है और हज के साथ भी जुड़ा हुआ है। इस्लामिक मान्यताओं में बकरीद का महत्व कुर्बानी की परंपरा से जुड़ा हुआ है। आइए इस लेख में बकरीद पर कुर्बानी का महत्व और इसकी पौराणिक पृष्ठभूमि के बारे में विस्तार से जानते हैं।

बकरीद का त्योहार हजरत इब्राहिम की अल्लाह के प्रति अटूट भक्ति और समर्पण की याद में मनाया जाता है। इस्लामिक मान्यता के अनुसार, हजरत इब्राहिम को अल्लाह ने सपने में अपनी सबसे प्रिय चीज की कुर्बानी देने का आदेश दिया। इब्राहिम, जिन्हें 90 वर्ष की आयु में बेटा इस्माइल नसीब हुआ था, अपने बेटे से बेहद प्यार करते थे। फिर भी, उन्होंने अल्लाह के हुक्म का पालन करने का निर्णय लिया। जब उन्होंने इस्माइल को कुर्बानी के लिए तैयार किया, तो इस्माइल ने भी सहर्ष सहमति दी। लेकिन जैसे ही इब्राहिम ने कुर्बानी शुरू की, अल्लाह ने चमत्कार किया और इस्माइल की जगह एक मेमने (दुंबा) को कुर्बान कर दिया। इस घटना ने इब्राहिम की भक्ति और आज्ञाकारिता को सिद्ध किया, और तब से बकरीद पर कुर्बानी की परंपरा शुरू हुई।

कुर्बानी का महत्व केवल बलिदान तक सीमित नहीं है; यह त्याग, समर्पण और अल्लाह के प्रति पूर्ण विश्वास का प्रतीक है। इस दिन मुसलमान हलाल जानवर जैसे बकरे, भेड़ या ऊंट की कुर्बानी देते हैं। कुर्बानी के लिए जानवर का स्वस्थ और बालिग होना जरूरी है। कुर्बानी का मांस तीन हिस्सों में बांटा जाता है। एक हिस्सा परिवार के लिए, दूसरा रिश्तेदारों और दोस्तों के लिए, और तीसरा गरीबों और जरूरतमंदों के लिए। यह प्रथा समाज में एकता, भाईचारे और दान की भावना को बढ़ावा देती है। इस्लाम में कुर्बानी को सवाब का काम माना जाता है, और यह हर सक्षम मुसलमान के लिए वाजिब है, यानी ऐसा कर्तव्य जो फर्ज से ठीक नीचे आता है। बकरीद का एक और महत्वपूर्ण संदेश यह है कि यह हमें स्वार्थ से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देता है। हजरत इब्राहिम का त्याग हमें सिखाता है कि अल्लाह के प्रति सच्ची भक्ति और विश्वास जीवन के सबसे कठिन निर्णयों में भी हमें सही मार्ग दिखा सकता है। इसके अलावा, यह पर्व हज के साथ भी जुड़ा है, जो इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है। हज के दौरान भी कुर्बानी की जाती है, जो हजरत इब्राहिम और उनके परिवार की कुर्बानी को याद करता है।

बकरीद का त्योहार हमें बलिदान, त्याग और भाईचारे का संदेश देता है। यह न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। इस पर्व पर मुसलमान नमाज अदा करते हैं, नए कपड़े पहनते हैं, और अपने पड़ोसियों और रिश्तेदारों के साथ खुशियां बांटते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि सच्चा बलिदान वही है, जो दूसरों के लिए किया जाए।

बलिदान का पर्व ईद-उल-अज़हा

ईद-उल-अजहा (कुर्बानी की ईद) धूमधाम से मनाई जाएगी। यह पर्व हजरत इब्राहीम की अल्लाह के प्रति समर्पण की याद दिलाता है। इस अवसर पर बकरों की बिक्री में तेजी देखी जा रही है लोग अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं। कुर्बानी के लिए कुछ नियम भी हैं जिनका पालन करना आवश्यक है।

इस्लाम के पवित्र महीने जिल्हिज्जा में दसवीं तारीख को मनाई जाने वाली ईद-उल-अजहा, जिसे कुर्बानी की ईद भी कहा जाता है, इसका विशेष महत्व है। इस पर्व का मूल उद्देश्य हजरत इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) की उस अद्भुत परीक्षा को याद करना है, जब अल्लाह ने उन्हें अपने प्रिय बेटे हजरत इस्माइल (अलैहिस्सलाम) की कुर्बानी के लिए आज्ञा दी थी। जब इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) ने अपने बेटे की कुर्बानी के लिए तैयारी की, तो अल्लाह ने उनकी ईमानदारी और त्याग को देखते हुए बेटे की जगह एक दुम्बा (भेड़) को कुर्बान करने का आदेश दिया। तब से इस पर्व को हर वर्ष मनाया जाने लगा। मौलाना नजमुद्दीन अहमद कासमी ने बताया कि जब कुर्बानी तकवा के साथ अदा की जाती है, तभी अल्लाह उसे स्वीकार करते हैं। कुर्बानी का उद्देश्य केवल खून और गोश्त अदा करने का नहीं है, बल्कि यह ईमानदारी और अल्लाह के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। ईद-उल-अजहा (कुर्बानी की ईद) शनिवार को मनाई जाएगी, जिसके चलते बकरों की बिक्री में काफी तेजी आई है। लोग अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार, बकरों की खरीदारी कर रहे हैं। जो लोग आर्थिक रूप से सक्षम हैं, वे तीनों दिन बकरों की कुर्बानी करते हैं। मुस्लिम धर्मावलम्बियों के लिए यह पर्व धूमधाम से मनाने का एक अवसर होता है, जो आपको परिवार और दोस्तों के साथ एकजुट करने का भी शुभ अवसर प्रदान करता है।

कुर्बानी के नियम

- जिनका धन और संपत्ति का पूरा माप साहेबे नेशाब में आता है, उनके लिए कुर्बानी अति आवश्यक है, जो कि साढ़े सात तोला सोना या साढ़े बावन तोला चांदी की श्रेणी में आता है।
- यदि पति और पत्नी दोनों इस श्रेणी में आते हैं, तो उन दोनों पर कुर्बानी वाजिब होती है। वहीं, अगर माता-पिता साहेबे नेशाब नहीं हैं, तो उन पर कुर्बानी का नियम लागू नहीं होता।
- कुर्बानी सबसे पहले जीवित व्यक्ति के नाम से की जाती है, और उसके बाद मरे हुए परिजनों के नाम से होती है।

बकरीद से पहले क्यों मनाई जाती है मीठी ईद

मुस्लिम समुदाय के बीच मीठी ईद रमजान के पवित्र महीने के अंत का प्रतीक है. चांद के दीदार के अगले दिन ईद-उल-फितर मनाया जाता है. वहीं ईद-उल-अजहा को कुर्बानी का दिन कहा जाता है.

मुस्लिम धर्म के लिए ईद बहुत खास त्योहार है. ये साल में दो बार मनाया जाता है. पहले र में ईद-उल-फितर का त्योहार होता है, फिर ईद-उल-जुहा या ईद-उल-अजहा मनाया जाता है. ईद-उल-फितर को मीठी ईद और ईद-उल-अजहा को बकरीद कहा जाता है. मीठी ईद के करीब डेढ़ से दो महीने बाद बकरीद मनाई जाती है. मुस्लिम समुदाय के बीच मीठी ईद रमजान के पवित्र महीने के अंत का प्रतीक है. रमजान में सभी मुसलमान रोजे रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं और आखिरी दिन जब चांद का दीदार हो जाता है, तब अगले दिन ईद-उल-फितर मनाया जाता है. वहीं ईद-उल-अजहा को कुर्बानी का दिन कहा जाता है. आइए जानते हैं कि साल में दो बार ईद मनाए जाने के पीछे क्या हैं मान्यताएं.

ऐसे हुई मीठी ईद की शुरुआत

ईद-उल-फितर या मीठी ईद पहली बार 624 ईस्वी में मनाई गई थी. कहा जाता है कि इस दिन पैगम्बर हजरत मोहम्मद ने बद्र के युद्ध में विजय हासिल की थी. पैगम्बर साहब की जीत की खुशी जाहिर करते हुए लोगों ने उस समय मिठाइयां बांटी थीं. कई तरह के पकवान बनाकर जश्न मनाया था. तब से हर साल बकरीद से पहले मीठी ईद मनाई जाने लगी.

कुरआन के अनुसार मीठी ईद को अल्लाह की तरफ से मिलने वाले इनाम का दिन माना जाता है. इस्लामी कैलेंडर के नौवें महीने में पूरे माह रोजे रखे जाते हैं और जब अहले ईमान रमजान के पवित्र महीने के एहतेरामों से फारिग हो जाते हैं और रोजों-नमाजों और उसके तमाम कामों को पूरा कर लेते हैं तो अल्लाह एक दिन अपने इबादत करने वाले बंदों को बख्शीश व इनाम से नवाजता है. बख्शीश व इनाम के दिन को ईद-उल-फितर का नाम दिया गया है.

ईद-उल-अजहा को लेकर मान्यता

वहीं अगर ईद-उल-अजहा की बात करें तो इस दिन का इतिहास हजरत इब्राहिम से जुड़ी एक घटना से है. ये दिन कुर्बानी का दिन माना जाता है. कहा जाता है कि अल्लाह ने एक दिन हजरत इब्राहिम से सपने में उनकी सबसे प्रिय चीज की कुर्बानी मांगी. हजरत इब्राहिम अपने बेटे से बहुत प्यार करते थे, लिहाजा उन्होंने अपने बेटे की कुर्बानी देने का फैसला किया. हजरत इब्राहिम बेटे का हाल आंखों से नहीं देख सकते थे. इसलिए उन्होंने आंखों पर पट्टी बांध ली थी. इब्राहिम ने बंद आंखों से अपने बेटे की कुर्बानी दी थी, लेकिन जब उन्होंने आंखें खोलीं, तो उनके बेटे की जगह वहां एक मेमने का सिर था. तभी से इस्लाम में बकरीद मनाने की शुरुआत हुई. इस दिन को कुर्बानी का दिन कहा जाने लगा. हर साल बकरीद के मौके पर बकरे की कुर्बानी दी जाती है.

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय में हुआ वृक्षारोपण

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और हरित वातावरण को बढ़ावा देना रहा। चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर के नेतृत्व में इस आयोजन में अस्पताल के डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने मिलकर विभिन्न प्रकार के फूलदार और छायादार पौधे लगाए जिसमें गुलमोहर, नीम और कचनार जैसे पौधों को प्राथमिकता दी गई। इस अवसर पर डॉ. संतोष सोनकर ने कहा, "स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ और हरित वातावरण अत्यंत आवश्यक है। वृक्षारोपण न केवल प्रदूषण को कम करता है, बल्कि मन को शांति भी प्रदान करता है। हमें अपने आस-पास अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए।"रेडियोलॉजिस्ट डॉ. विवेक पात्रे ने लोगों को संकल्प दिलाया कि जिन पौधों का रोपण वे सभी मिलकर कर रहे हैं उनकी देखभाल नियमित रूप से की जाएगी।

न्यूज गैलरी

अवैध रेत परिवहन पर कलेक्टर के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई

कोरिया बैकुंठपुर - कलेक्टर कोरिया के निर्देश पर खनिज, राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध खनिज (रेत) परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन वाहनों को जप्त किया है। यह कार्रवाई तहसील बैकुण्ठपुर एवं पटना क्षेत्र में की गई। गश्त के दौरान इन वाहनों को अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पाया गया, जिसके बाद उन्हें मौके पर ही जब्त कर समीपस्थ बैकुण्ठपुर एवं पटना थाने में अभिरक्षा में रखा गया है। जप्त किए गए वाहनों की जानकारी सीजी १५ ईएफ ९९३७, ट्रैक्टर मालिक विकास चक्रधारी, सीजी २९ ए.सी. ९८७४ मिनी ट्रक मालिक प्रिंस जायसवाल, महिंद्रा (सोल्ड) मालिक बुधमान सिंह हैं। इन सभी वाहन मालिकों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम २०१५ की धारा ७१ तथा खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम १९५७ की धारा २१ से २३ (ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी ने जानकारी दी है कि कलेक्टर के निर्देशन में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई जारी है। प्रशासन ने साफ किया है कि भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण एवं कार्रवाई की जाएगी।

विशालकाय विज्ञापन होर्डिंग का फ्रेम गिरने से दो कार क्षतिग्रस्त

रायपुर। रविवार की सुबह तेलीबांधा स्थित मरीन ड्राइव चौक से तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसी दौरान विशालकाय विज्ञापन होर्डिंग का कट आउट के लोहे का फ्रेम गिरने से दो गाडि?ां क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत यह रही इन कारों में सवारों को गंभीर चोटें नहीं आई है लेकिन कुछ देर के लिए ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित हो गई थी। बारिश के इन दिनों में आंधी तूफान से विज्ञापनों के पुराने पड़ चुके विशाल होर्डिंग, स्वागत गेट के स्ट्रक्चर कमजोर होकर गिरने का खतरा बढ़ गया है और यह कमजोर होर्डिंग और स्ट्रक्चर किसी अनहोनी को आमंत्रण दे रहे हैं।

योग रथज्ज अभियानः सुदूर वनांचल क्षेत्रों में योग, आयुर्वेद और नैचुरोपैथी का संदेश

कोरिया बैकुंठपुर — कोरिया जिले के बैकुंठपुर में ६ जून से सुदूर वनांचल और आदिवासी क्षेत्रों में योग, आयुर्वेद एवं नैचुरोपैथी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से "योग रथ" का शुभारंभ आज से किया गया। यह रथ ६ जून से २१ जून तक जिले के विभिन्न गांवों और दुर्गम इलाकों में पहुँचकर स्वास्थ्य जागरूकता फैलाएगा। अभियान के अंतर्गत योग अभ्यास, प्राकृतिक चिकित्सा, औषधीय पौधों की जानकारी, आयुर्वेदिक जीवनशैली और नाड़ी परीक्षण जैसी सेवाएं स्थानीय लोगों तक पहुँचाई जाएंगी। इस विशेष पहल का समापन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, २१ जून को बैकुंठ धाम, डूमरकोली, जनकपुर, बैकुंठपुर में भव्य योग अभ्यास कार्यक्रम के साथ होगा। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ढ्डह्म सूर्या फाउंडेशन द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने में कई संस्थाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है — संजीवनी/वनौषधालय, आंचल हर्बल्स, कर्मयोगिनी फाउंडेशन, आरोग्य भारती एवं सूर्या फाउंडेशन इस अभियान के मुख्य सहयोगी हैं। अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें: वैधराज अरुण कुमार शुक्ल आंचल हर्बल्स, बैकुंठ धाम, डूमरकोली, जनकपुर, बैकुंठपुर मोबाइल: ९९२६१६८९३२

हितग्राही से संपर्क कर सूक्ष्म कार्ययोजना बनाकर कार्य करे मैदानी टीम

बारिश से पहले ही हितग्राहियों को सामग्री एकत्र करने में मदद करें पंचायतें, उपलब्धता बढ़ाने के लिए श्रमिकों को ग्राम पंचायत में ही मिलेगा राजमिस्त्री का प्रशिक्षण

कोरिया बैकुंठपुर / जिला पंचायत कोरिया के सभा कक्ष में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में प्रभारी जिला पंचायत सीईओ, अपर कलेक्टर अरुण कुमार मरकाम ने ग्राम पंचायतों के सचिवों से ग्राम पंचायत वार आवास योजना ग्रामीण में प्रगति की स्थिति पर जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। इस बैठक में पहले जनपद पंचायत सोनहत के ग्राम सचिवों की और उसके बाद जनपद पंचायत बैकुंठपुर की ग्राम पंचायत वार समीक्षा सम्पन्न हुई। इस बैठक में सोनहत और बैकुंठपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के एसडीओ, तकनीकी सहायक, ग्राम रोजगार सहायक, आवास मित्र उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में पृथक से सूक्ष्म कार्ययोजना बनाकर कार्य करने की जरूरत होगी। सचिव और रोजगार सहायक को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि सबसे पहले आपको ग्राम पंचायतों में संसाधन एकत्र करने पर ध्यान देना होगा। इसके बाद ही आप अपेक्षित समय सीमा में लक्ष्य अनुसार क्रियान्वयन पूर्ण कर सकते हैं। आगे उन्होंने कहा कि आगामी बारिश के मौसम और धान की खेती के सीजन को को देखते हुए प्रत्येक हितग्राही से संपर्क कर उनकी मटेरियल की उपलब्धता का आकलन करें और प्रत्येक ग्राम पंचायत में भ्रमण कर हितग्राही की आवश्यकता अनुसार ग्राम पंचायत सचिव और सरपंच उन्हें संसाधन जुटाने में मदद करें।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के प्रत्येक हितग्राही को उसके आवास निर्माण कार्य में ९० दिवस का रोजगार उपलब्ध कराया जाना है। कलेक्टर कोरिया ने कहा कि यह तीन चरणों में प्रदाय करने के लिए निरंतर मास्टर रोल जारी किए जाएं जिससे हितग्राहियों को आवश्यक मजदूरी की राशि समय समय पर मिलती रहे। इससे भी आवास योजना के अंतर्गत निर्माण कार्य में अच्छी प्रगति होगी।

सोनहत जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत वार समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने ग्राम पंचायत रजौली के सचिव की बिना सूचना के अनुपस्थिति और पदीय कार्य के प्रति लापरवाही बरतने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। महत्वपूर्ण योजनाओं में लापरवाही बरतने पर उन्होंने सम्बन्धित सचिव को निलंबित करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

टीम वर्क के साथ काम करने पर बल देते हुए प्रभारी जिला पंचायत सीईओ श्री अरुण कुमार मरकाम ने कहा कि सभी एक दिशा में कार्ययोजना बनाकर कार्य करें तो अपेक्षित कार्य समय सीमा में पूर्ण किया जा सकता है और यदि प्रयास समेकित नहीं होता है तो योजना में प्रगति नहीं हो पाएगी। उन्होंने लापरवाही करने वाले ग्राम पंचायत में रोजगार सहायक को सेवा से पृथक करने के प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में प्रगति को लेकर महात्मा गांधी नरेगा योजना में पंजीकृत श्रमिकों को राजमिस्त्री का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस सम्बन्ध में उपस्थित सचिवों को निर्देशित करते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन ने कहा कि जिन ग्राम पंचायत में लक्ष्य अधिक हैं और वहां राजमिस्त्री कम उपलब्ध हैं, उन ग्राम पंचायतों में आवास योजना ग्रामीण के हितग्राही या मनरेगा श्रमिकों को राजमिस्त्री का प्रशिक्षण देने के लिए सूचीबद्ध कर लें। यह प्रशिक्षण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी के माध्यम से ऑफलाइन मोड पर प्रदान किया जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर WORT संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर। गोविंदपुर, नरकेली एवं सुंदरपुर झ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ङ्घह्रक्र संस्था द्वारा ग्राम गोविंदपुर, नरकेली एवं सुंदरपुर में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय में पर्यावरण संरक्षण के प्रति चेतना जागृत करना, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की प्रेरणा देना एवं वृक्षारोपण के माध्यम से प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना था।

कार्यक्रम की शुरूआत पर्यावरण विषयक रैली से हुई, जिसमें ग्रामीणों, विशेष रूप से महिलाएं,किसानों और युवाओं ने हाथों में स्लोगन वाली तख्तियाँ लेकर पूरे गांव में घूमकर पर्यावरण की रक्षा का संदेश दिया। रैली के बाद सामूहिक रूप से श्रमदान किया गया, जिसमें प्लास्टिक कचरा हटाया गया और साफ-सफाई कर वातावरण को स्वच्छ बनाया गया।

इसके पश्चात वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने मिलकर अपने-अपने क्षेत्रों में पौधे लगाए। पौधारोपण के दौरान यह भी समझाया गया कि पेड़ न केवल प्रदूषण को कम करते हैं, बल्कि भूमि की उर्वरता बढ़ाने, जल स्तर बनाए रखने और जैव विविधता को संरक्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान ङ्घह्रक्र संस्था की टीम द्वारा पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और सतत कृषि पद्धतियों के विषय में जानकारी दी गई। किसानों को यह बताया गया कि छोटे-छोटे कदम जैसे प्लास्टिक का सीमित उपयोग, जैविक खाद का प्रयोग, जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण कैसे दीर्घकालिक रूप से उनके जीवन व आजीविका को बेहतर बना सकते हैं। ग्रामवासियों, विशेष रूप से किसान भाइयों और बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कार्यक्रम की सराहना की और इसे एक आवश्यक कदम बताया। उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधे लगाएंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित भविष्य सुनिश्चित करेंगे।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने ङ्घह्रक्र संस्था को इस महत्वपूर्ण एवं समयानुकूल पहल के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया, और संस्था ने भी ग्रामवासियों को उनके सक्रिय सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुश्री कामिनी साहु, उमेश मौर्या, दीपक सकत एवं सूरज की सक्रिय भूमिका रही।

बैकुण्ठपुर विधानसभा क्षेत्र के जरूरतमन्दों को मिलेगी छह लाख रुपये की सहायता

विधायक भईया लाल राजवाड़े की पहल पर शासन ने दी स्वीकृति

कोरिया बैकुंठपुर / कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर विधानसभा क्षेत्र के ४३ जरूरतमन्द हितग्राहियों को आर्थिक सहायता के रूप में छह लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। यह सहायता राशि विधायक जनसंपर्क निधि से स्वीकृत की गई है, जिसकी अनुशंसा पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ शासन एवं बैकुण्ठपुर विधानसभा के विधायक भईया लाल राजवाड़े द्वारा की गई थी।

छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के लिए जनसंपर्क कार्यक्रमों के संचालन हेतु प्रभारी मंत्रियों को १० लाख रुपये की राशि आबंटित की है। इसी के अंतर्गत बैकुण्ठपुर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक ०३ के लिए ६ लाख की राशि आवंटित की गई है।

इस प्रस्ताव को छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय, कोरिया से जारी आदेशानुसार, यह राशि संबंधित हितग्राहियों को चेक के माध्यम से भुगतान की जाएगी। सभी भुगतान शासन के दिशा-निदेर्शों और पारदर्शिता की प्रक्रिया के तहत सुनिश्चित किए जाएंगे।

जिला प्रशासन ने बताया कि यह राशि उन जरूरतमंद व्यक्तियों को दी जाएगी, जिन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा में तत्काल आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है। यह पूरी प्रक्रिया मांग संख्या ०१, लेखाशीर्ष २०१३ मंत्रिपरिषद् (९९३९), अनुदान मद स्न ५५ के तहत की जाएगी।

मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियां गर्व का विषय है - बाबूलाल अग्रवाल

संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम को लेकर जिला स्तरीय बैठक संपन्न

कोरिया बैकुण्ठपुर - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के ११ गौरवपूर्ण वर्ष पूर्ण होने अवसर पर संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम को लेकर भाजपा जिला कोरिया के तत्वाधान में जिला मुख्यालय स्थित सांस्कृतिक भवन में जिला स्तरीय बैठक संपन्न हुआ। कार्यक्रम पश्चात अतिथियों ने भारत माता, पं.दीनदयाल उपाध्याय, डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर द्वीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। बैठक में मुख्य वक्ता बाबूलाल अग्रवाल, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, राजेश सिंह, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, विनोद साहू, जिला पंचायत सदस्य शिव कुमारी सोनपाकर, जनपद अध्यक्ष आशादेवी सोनपाकर, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, जनपद उपाध्यक्ष प्यारे साहू उपस्थित रहें।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बाबूलाल अग्रवाल ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए, केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकताओं को बूथ स्तर पर संवाद का मंत्र देते हुए कहा कि मोदी सरकार की ११ साल उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाना हम सब की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकताओं से हर वर्ग और संगठन को इस अभियान से जोड़ने और लाभार्थियों के अनुभव साझा करने की अपील की।

जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि अमृत काल में विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए मोदी सरकार की ११ वर्षो की उपलब्धियां गर्व का विषय हैं। इन उपलब्धियों को जिला, जनपद, मंडल और शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर पर जनता तक पहुंचाने के लिए कार्यकताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के गौरवपूर्ण ११ वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को ग्राम, वार्ड, शक्ति केन्द्र एवं बूथ स्तर पर चौपाल के माध्यम से पहुंचाना है। जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने कार्यकताओं को आह्वान किया है कि, घर-घर पहुंचकर एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के माध्यम पर्यावरण को स्वच्छ रखना सुनिश्चित करना है। संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के संयोजक राजेश सिंह ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल ११ वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को अंतिम छोर तक पहुंचाने के घर-घर जनसम्पर्क कर प्रचार प्रसार करेंगे।

कार्यक्रम में मंच संचालन जिला महामंत्री पंकज गुप्ता एवं आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री विनोद साहू ने किया।

बैठक में जिला कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल, जिला मंत्री नवरतन पाण्डेय, सुनिता कुर्रे, चुन्नी पैकरा, जिला सह मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, पूर्व मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल, धीरेन्द्र साहू,रामप्रताप मरावी, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक, मैनेजर राजवाडे, किशोर सिरदार, रामलखन यादव, संजय चिकनजूरी, राजाराम राजवाड़े, मनोज साहू, सुरेश राजवाड़े, रमन गुप्ता,सचिदानंद द्विदेवी, सत्यम साहू, हितेश प्रताप सिंह, रवि त्रिपाठी, राकेश पैकरा, सुशीला साहू, सुरेश सिरदार, दिनेश साहू, मुन्ना चक्रधारी, रीता यादव, कुन्ती चक्रधारी,अरशद खान, रामसुंदर राजवाड़े, राजेश सोनी, टिंकू, मनीषा देवांगन, छत्रपाल राजवाड़े, अशोक यादव, संतोष सिंह, ललिता यादव, गणेश यादव, प्रवीण साहू, रमेश तिवारी, लक्ष्मी राजवाड़े,सुभाष जायसवाल, दिनेश चक्रधारी, उर्मिला देवी, चन्द्रकली राजवाड़े, सोनिया राजवाड़े, सुमित राजवाड़े,नारायण विश्वकर्मा, आलेश्वरी गौतम, सुशीला, रामाशंकर साहू, संतोष राजवाड़े, दीपक जायसवाल, अरशद खान, जगनारायण साहू, दिलीप राजवाड़े सहित भारी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

समायोजन के बाद भी जनपद प्राथमिक शाला और पूर्व माध्यमिक शाला भरार्पारा अपने पुराने नाम से ही जाना जाएगा

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जनपद प्राथमिक शाला भरार्पारा पेण्ड्रा ब्रिटिश काल से संचालित एक ऐतिहासिक विद्यालय है। इसी परिसर में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भी संचालित है। राज्य सरकार के दिशा निदेर्शों के तहत इन दोनो विद्यालयों का एकीकरण किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इनके ऐतिहासिक स्थिति को बनाए रखने के निदेर्शों का यथावत पालन करते हुए और इस स्कूल से जुड़ी सामान्यजन की आस्था को बरकरार रखा गया है। दोनों शालाओं के समायोजन के पश्चात यह शाला अपने पुरातन नाम से ही जाना जाएगा। शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को बेहतर बनाने की पहल के तहत छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में शालाओं और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि जहां जरूरत है वहां शिक्षक उपलब्ध हों और बच्चों को अच्छी शिक्षा, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और बेहतर सुविधाएं मिल सकें। युक्तियुक्तकरण का मतलब है स्कूलों और शिक्षकों की व्यवस्था को इस तरह से सुधारना कि सभी स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात संतुलित हो और कोई भी स्कूल बिना शिक्षक के नहीं रहे।

आदिवासी गांवों में पहुंचेगी सरकारी योजनाओं की रोशनी, धरती आबा अभियान 15 जून से शुरू

कोरिया बैकुंठपुर - आदिवासी क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं की पहुंच और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ज्ज्धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियानज्ज के तहत विशेष शिविरों का आयोजन १५ जून से ३० जून २०२५ तक किया जाएगा। यह अभियान जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है।

जिला कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने बताया कि इस अभियान का लक्ष्य आदिवासी बहुल गांवों में हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं को पहुंचाना है। कोरिया जिले के १५४ आदिवासी बहुल गांवों का चयन किया गया है, जहां शिविरों के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ दिया जाएगा।

शिविरों में मिलने वाले प्रमुख लाभ - आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति/निवास प्रमाण पत्र, वृद्धावस्था/विधवा/दिव्यांग पेंशन, आयुष्मान भारत कार्ड, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, जनधन खाता, जीवन बीमा, पीएम किसान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, मनरेगा, मुद्रा लोन, पीएम विश्वकर्मा योजना, टीकाकरण और आंगनबाड़ी से जुड़ी सेवाएं।

हर विभाग की सहभागिता, डिजिटल सेवाएं भी उपलब्ध,

अभियान में स्वास्थ्य, खाद्य, समाज कल्याण, ग्रामीण विकास, पंचायत, कृषि व राजस्व विभागों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कॉमन सर्विस सेंटर के जरिए डिजिटल सेवाएं जैसे आधार सुधार, ई-केवाईसी, दस्तावेज सत्यापन भी की जाएंगी।

स्थानीय सहभागिता और निगरानी व्यवस्था,

स्थानीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्वयंसेवकों की सहायता से घर-घर संपर्क कर संतृप्ति कार्ड वितरित किए जा रहे हैं। अभियान की रियल टाइम निगरानी के लिए विशेष रिपोर्टिंग प्रणाली भी विकसित की गई है।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने जिले के नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इन शिविरों में सक्रिय भागीदारी करें और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। यह अभियान आदिवासी समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक ठोस पहल है।

ज्वेरेव को हराकर फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

पेरिस सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4-6, 6-3, 6-2, 6-4 से हराकर रिकॉर्ड 51वें ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। नोवाक जोकोविच ने जीत के बाद उत्साहित होकर कहा, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक ज्वेरेव को सबसे बड़े मंच पर हराना वह चीज है, जिसके लिए मैं निश्चित रूप से मेहनत करता हूं और मैं अभी भी इस उम्र में रोजाना अभ्यास करता हूं। अब जोकोविच का मुकाबला सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जैनिक सिनर से होगा। अगर जोकोविच जीत जाते हैं। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में नंबर 2 सीड कार्लोस अल्काराज लोरेंजो मुसेट्टी को हरा देते हैं, तो ये एक ऐसा रिकार्ड बन सकता है, जो पहले कभी नहीं किया। एटीपी रैंकिंग के इतिहास में किसी भी व्यक्ति ने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने के लिए शीर्ष 3 रैंक वाले खिलाड़ियों को नहीं हराया है। जोकोविच जिनेवा में अपना 100वां टूर-लेवल खिताब जीतने के बाद यहां पहुंचे हैं। सर्बियाई खिलाड़ी 2023 यूएस ओपन के बाद से अपने पहले बड़े खिताब की तलाश में हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए घोषित की टीम, मिचेल मार्श करेंगे कप्तानी

सिडनी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 19 जुलाई से शुरू होने वाली टी20 सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इसमें अधिकतर वे खिलाड़ी अपनी जगह बरकरार रखने और वापसी करने में सफल हुए हैं जिनका प्रदर्शन आईपीएल में अच्छा रहा था। इससे साफ है कि आईपीएल का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंटस की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वाले मिचेल मार्श को कप्तान बनाया गया है जबकि आरसीबी की ओर प्रभावी गेंदबाजी करने वाले जोश हेजलवुड की भी टीम में वापसी होगी। वहीं आईपीएल में खराब प्रदर्शन से गुजरे दिल्ली कैपिटल्स के जेक फ्रेजर-मैकगर्क को टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह मिशेल ओवेन और मैट कुहनेमैन को शामिल किया गया है। कैमरून ग्रीन भी टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। सीए चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, ÷इस सीरीज के दौरान हमारा टी20 कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा, इसके बाद दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैच और भारत के खिलाफ घरेलू मैदान

पर पांच मैच होंगे। इसलिए. हम एक ऐसी टीम बनाने और उसे निखारने का काम जारी रखेंगे जो हमें लगता है कि उपमहाद्वीप में होने वाले विश्व कप के लिए सही रहेगी। टीम के बाहर कई खिलाड़ी हैं जो अभी भी आगामी भारतीय सीरीज और बिग बैश के लिए टीम में जगह बना सकते है। आईपीएल में विफल रहे पंजाब किंग्स के खिलाड़ी जेवियर बार्टलेट और मार्कस स्टोइनिस को भी टीम में शामिल नहीं किया गया हालांकि ग्लेने मैक्सवेल टीम में जगह बचाने में कामयाब रहे। टीम में शामिल युवा ओवेन बीबीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, उन्होंने 11 पारियों में 45.20 की औसत से 452 रन बनाए। फाइनल में उन्होंने मात्र 42 गेंदों पर शतक जड़ा और होबार्ट हरिकेंस को खिताब दिलाया। ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम÷ मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिच ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, एडम जैम्प।

स्टेडियम का गेट नंबर 7 बना प्रशंसकों की मौत का कारण

बेंगलुरु

यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की जीत का जश्न मानने गये लोगों को क्या मालूम था कि यहां स्टेडियम का गेट नंबर 7 मौत का दरवाजा बन जाएगा। प्रशंसक 18 साल बाद आरसीबी को मिली जीत का जश्न मनाने गये थे पर उन्हें बदले में मिली मौत। ये वो प्रशंसक थे जिनके पास टिकट थे। मरने वालों में अधिकतर युवा महिलाएं और बच्चे थे।

ये प्रशंसक अपनी पसंदीदा खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए सभी बेरीकेडिंग तोहड़कर गेट नंबर 7 पर उमड़ पड़े। इस दौरान वहां तैनात पुलिसकर्मी असहाये नजर आये। इन लोगों ने प्रशंसकों को रोकन का प्रशस किया पर कोई नहीं माना। जश्न में शामिल होने के लिए हजारों लोग एकसाथ गेट से आगे जाने का प्रयास कर रहे थे। इसके कारण भगदड़ मच गयी जिसमें कई लोग दबकर कुचल गये जबकि कई घायल हुए। इससे कई घरों में मातम छ गया। वहीं इस हादसे की जिम्मेदारी देने को कोई तैयार नहीं है। राज्य सरकार का कहना है कि 30 से 35 हजार लोगों के आने की उम्मीद थी पर दो से तीन लाख लोग आ गये जिससे अव्यवस्था फैल गयी। युवाओं का कहना है कि वे गेट पर कतार में खड़े थे पर भीड़ बढ़ती जा रही थी और ऐसे में अफरातफरी मच गयी। उन्होंने घायलों को बचाने का प्रयास किय पर इसमें सफलता नहीं मिल पायी।

वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का कहना है कि उसका इस जश्न के आयोजन से कोई संबधं नहीं है। ये स्थानीय स्तर पर हुआ था हालांकि उसने माना कि आयोजकों से गलती हुई है। वहीं राज्य सरकार ने मारे गये लोगों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये की सहायता देने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ दिया है। वहीं राज्य क्रिकेट संघ ने इस मामले की जिम्मेदारी लेने से इंकार कर दिया है। इससे साफ है कि प्रशंसकों की जान की कीमत किसी ने नहीं समझी है। जब प्रशंसक अपनी जान बचाने के लिए जूझ रहे थे तब स्टेडियम के अंदर नेता टीम के खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें खिंचा रहे थे।

अब शुभमन की कप्तानी में इंग्लैंड का दौरा करेगी भारतीय टीम

मुम्बई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले समाप्त हो गये हैं और अब भारतीय क्रिकेट टीम पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौर पर भारतीय टीम इंग्लैंड के साथ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस दौरे की शुरुआत आगाज 20 जून से होने जा रहा है। इस सीरीज का अंतिम टेस्ट मैच 31 जुलाई को खेला जाएगा। इस दौरे में नये कप्तान शुभमन गिल भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। बीसीसीआई ने इस टूर के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है. शुभमन गिल सीरीज में टीम इंडिया के नए कप्तान होंगे.विकेटकीपर ऋषभ पंत को उप कप्तान बनाया गया है। विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के कारण जहां शुभमन को कप्तानी मिली है। वहीं साई सुदर्शन और करुण नायर जैसे बल्लेबाजों को जगह मिली है। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की भी इस सीरीज से वापसी होगी पर फिट नहीं होने के कारण अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इस दौरे में नहीं दिखेंगे। वहीं देवदत्त पडिक्कल और सरफराज खान को टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है।

भारतीय टीम के दौरा

20 जून, पहला टेस्ट, हेडिंग्ले लीड्स, दोपहर 3÷30 बजे से, 02 जुलाई, दूसरा टेस्ट, एजबेस्टन बर्मिंघम, दोपहर 3÷30 बजे से, 10 जुलाई, तीसरा टेस्ट, लाडर्स क्रिकेट ग्राउंड लंदन, दोपहर 3÷30 बजे से, 23 जुलाई।

आईपीएल के बाद बेहत्तर कप्तान के तौर पर उभरे श्रेयस

नई दिल्ली पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में भले ही अपनी टीम को खिताब नहीं जिता पाये हों पर वह एक बेहतर नेतृत्वकर्ता के रुप में उभरे हैं। श्रेयस ने जहां पिछले सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 10 साल बार खिताब जिताया था। वहीं इस बार पंजाब की कप्तानी करते हुए उसे 11 साल बाद फाइनल में पहुंचाने में वह सफल रहे। इस दौरान वह एक संयमित कप्तान के तौर पर उभरे हैं जो दबाव के बीच भी शांत बना रहता है। उनकी कप्तानी में एक बार दिल्ली कैपिटल्स भी फाइनल में पहुंची थी। श्रेयस महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के बाद आईपीएल के तीन फाइनल में पहुंचने वाले तीसरे

कप्तान हैं। उनकी यह उपलब्धि बेहद ही खास है क्योंकि उन्होंने पिछले पांच सालों में तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी टीमों के साथ वह ऐसा करने में सफल रहे हैं। उन्होंने आईपीएल के इस सत्र में 603 रन बनाये हैं। इस सब के बाद भी उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है जो हैरानी की बात है।

आईपीएल के पिछले सत्र में केकेआर ने रिटेन नहीं किया था जिसके लिए अब वह जरुर पछता रही होगी। वहीं इससे पंजाब को खासा लाभ हुआ। वहीं पिछले सत्र में शीर्ष पांच टीमों में भी शामिल नहीं थी पर इस सत्र में दूसरे नंबर पर आई है। श्रेयस के आने से पंजाब किंग्स को एक अच्छा बल्लेबाज और जुनूनी कप्तान मिला। ऐसा कप्तान जो करियर के उतार-चढ़ाव के बीच भी स्थिर बना रहता हो। अय्यर की कप्तान में अपनी समझदारी के साथ करिश्माई महेंद्र सिंह धोनी जैसा संयम और विराट कोहली जैसा आक्रामक रवैया होने के साथ रोहित शर्मा जैसा बिंदास व्यवहार भी है। आईपीएल के फाइनल में मिली हार के बाद भी अय्यर का मनोबल कम नहीं हुआ और उन्होंने निराशा को पीछे छोड़ते हुए कहा, 'अभी काम आधा बाकी है, हमें अगले साल जीतना है। वहीं इंग्लैंड के लिए टीम में उन्हें शामिल नहीं किये जाने से पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग हैरान हैं। उनका कहना है कि इस झटके को भी श्रेयस ने आसानी से संभाल लिया। साथ ही कहा कि उसमें में हर बार अच्छा प्रदर्शन करने की ललक रहती है।

रिंकू से सगाई की अटकलों के बीच ही एक शादी समारोह में पहुंची सांसद प्रिया

जौनपुर

क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज की 8 जून को होने वाली सगाई को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं। इसी बीच प्रिया अपने संसदीय क्षेत्र जौनपुर में एक शादी समारोह में शामिल हुई जिसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में आई हैं। इस अवसर पर सांसद प्रिया पारंपरिक परिधान में नजर आयीं और उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं पूछीं।

प्रिया ने हालांकि रिंकू के साथ अपनी सगाई और शादी को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। प्रिया ने केवल इतना कहा कि वो अभी अपने क्षेत्र के कामकाज और जनता की सेवा पर ध्यान दे रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रिंकू और प्रिया की मुलाकात एक सामाजिक कार्यक्रम के दौरान हुई थी, जिसके बाद दोनों परिवारों की सहमति से यह रिश्ता तय हुआ है। सगाई के बाद ही दोनों की शादी की तारीख को लेकर भी स्थिति साफ होगी।

इससे पहले क्रिकेटर कुलदीप यादव की सगाई समारोह में रिंकू भी शामिल हुए थे। रिंकू ने सोशल मीडिया पर अपनी कई तस्वीरें भी साझा की हैं। इसी कार्यक्रम में प्रिया के शामिल होने से भी उनकी रिंकू से शादी की अटकलें तेज हो गयीं। प्रिया ने कुलदीप और उनकी दुल्हन वंशिका के साथ तस्वीरें भी साझा की हैं। प्रिया ने इनके साथ लिखा कुलदीप भैया और वंशिका को हार्दिक बधाई।

रोनाल्डो के गोल से जर्मनी को 2-1 से हराया

म्यूनिख स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार गोल से पुर्तगाल ने यूईएफए नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जर्मनी को 2-1 से हराकर बाहर कर दिया। खराब मौसम के कारण ये मुकाबला 10 मिनट देर से शुरु हुआ। जर्मनी ने शुरुआत से ही हमले शुरु कर दिये। लियोन गोरेट्जका के अलावा निक वोल्टमेड ने भी गोल करने के लिए मूव बनाये पर सफल नहीं हुए।

फ्लोरियन विर्ट्ज ने 48वें मिनट पर मैच का पहला गोल दागकर जर्मनी को 1-0 से लीड में ला दिया। वहीं रोनाल्डो की पुर्तगाल ने भी वापसी करते हुए हमले किये और जर्मन की रक्षा पंक्ति की पोल खो दी। वहीं पुर्तगाल के फ्रांसिस्को कॉन्सेइकाओ ने 63वें मिनट में एक गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। जर्मनी की टीम को यहां से दबाव में आ गयी। मेंडेस के पास पर रोनाल्डो ने गोल कर टीम की बढ़त 2-1 कर दी। इसी के साथ रोनाल्डो 40 साल और 119 दिन की उम्र में जर्मनी के खिलाफ गोल करने वाले सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी बन गए। जर्मनी अब रविवार को तीसरे स्थान के लिए प्लेऑफ में उतरेगी, जबकि पुर्तगाल फाइनल में उतरेगी। मैच हारने के बाद जर्मनी के कोच जूलियन नेगल्समैन ने निराशा जताते हुए कहा, यह हाल के दिनों में हमारा सबसे खराब प्रदर्शन था। हमने इस मैच में पूरी ताकत के साथ हमला नहीं किया था। साथ ही कहा कि अगर आप यूरोप में सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल होना चाहते हैं, तो अपना सौ फीसदी देना होगा। यह हार दुखद है, लेकिन हमें इससे सीखना चाहिए। वहीं पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने कहा कहा, मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। यह जर्मनी की टीम के खिलाफ एक अहम मैच था। इससे पता चलता है कि हम क्या कर सकते हैं।

आईपीएल में बने कई नये रिकार्ड बने

मुम्बई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र में जहां आरसीबी के रुप में एक नई विजेता मिली है। वहीं पूरे टूर्नामेंट के दौरान कई नये रिकार्ड भी बने है। इस सत्र में 26381 रन बने जबकि 1294 छक्के लगे हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस सत्र में 6 बड़े रिकॉर्ड बने हैं। वहीं इस सत्र में सबसे ज्यादा 200 रनों से अधिक के स्कोर भी बने हैं। एक सत्र में सबसे ज्यादा रन 26381 बने हैं। वहीं एक सत्र में सबसे ज्यादा रन/विकेट 30.39 हैं। एक सीजन में सबसे ज्यादा आरपीओ÷ 9.62, एक सत्र में सबसे ज्यादा चौके 2245, एक सत्र में सबसे ज्यादा छक्के 1294 और एक सत्र में सबसे ज्यादा 200 से अधिक रन का स्कोर भी 52 बार बना है। बात द्धक्क2025 फाइनल में आरसीबी की टीम के किसी खिलाड़ी ने अर्धशतक नहीं लगाया। इसके बाद भी टीम ने मिलकर 20 ओवर में 190 रन बना दिये। इस मैच में दोनो ही टीमों के किसी भी गेंदबाज ने पांच विकेट नहीं लिए। आरसीबी की ओर से सबसे अधिक स्कोर विराट कोहली का 43 रनों का रहा। पंजाब के लिए काइल जैमिंसन और अर्शदीप सिंह ने 3-3 विकेट लिए। पंजाब किंग्स की ओर से सबसे अधिक 61 रन शशांक सिंह ने बनाये।

विराट से बल्ला पाकर खुश नजर आये रजत

नई दिल्ली

आईपीएल में पहली बार खिताब जीतने से अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली बेहद खुश नजर आये। विराट की खुशी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपनी टीम के कप्तान रजत पाटीदार को एक बल्ला उपहार में दिया। इसका एक वीडियो भी आया है इसमें जिसमें इन दोनों की दोस्ती और एकदूसरे के प्रति सम्मान और प्यार झलकता है। यह वीडियो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के ड्रेसिंग रूम का है। इसमें रजत अपने किटबैग के पास अकेले बैठे हुए हैं। वहीं दूसरे छोर पर कुछ साथी खिलाड़ी हैं। टीम में लंबे समय तक रहे दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स भी वहीं थे। इस दौरान विराट वहां घूमते हुए अपने कप्तान की तारीफ करते हैं। विराट इसके बाद अपने किटबैग के पास आते हैं। वे एक बल्ला उठाते हैं और अपना स्टांस लेते हैं। रजत ये देखते हुए अंदाजा लगाने लगे कि क्या होने वाला है। वह समझ जाते हैं कि शायद उन्हें बल्ला मिल सकता है। तब वे कहते हैं कि जिससे खेलते हैं वो वाला। इसपर विराट वह बल्ला रजत की ओर उछाल देते हैं। वहीं रजत भी इसे वैसे ही प्यार से पकड़ते हैं।

क्रुणाल चार बार आईपीएल खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल

मुम्बई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली खिताबी जीत में स्पिनर क्रुणाल पांड्या की अहम भूमिका रही। क्रुणाल ने 4 ओवरों में ही 17 रन देकर दो अहम विकेट लेकर मैच पलट दिया था। क्रुणाल पांड्या ने प्रभसिमरन सिंह 26 और जोश इंगलिस 39 को आउट किया जो आरसीबी के लिए खतरनाक साबित हो सकते थे। आरसीबी की जीत के साथ ही क्रुणाल चार बार आईपीएल खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। क्रुणाल के अलावा रवींद्र जडेजा और लसिथ मलिंगा भी चार-चार बार आईपीएल

खिताब विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। वहीं आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा बार आईपीएल खिताब जीतने के मामले में रोहित शर्मा और अंबाती रायडू शीर्ष पर हैं। इन दोनों ही खिलाड़ियों ने छह-छह बार ट्रॉफी जीती हैं। वहीं इस सूची में दूसरे स्थान पर महेंद्र सिंह धोनी, कीरोन पोलार्ड और हार्दिक पांड्या जिन्होंने पांच-पांच बार आईपीएल खिताब जीता है। आरसीबी ने पंजाब के खिलाफ खिताबी मुकाबले में 190 रन बनाये।

वैभव की बल्लेबाजी क्षमताओं को देखकर हैरान हैं सबा करीम

मुम्बई

आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की टीम में शामिल 14 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। वैभव ने इस सत्र में जिस प्रकार 35 गेंदों में ही शतक लगा दिया उससे दिग्गज भी हैरान हैं और कई लोगों का मानना है कि वह भविष्य का सितारा है। वैभव ने स्पिनर राशिद खान के अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा और प्रसिद्ध कृष्णा का सामना बेखौफ होकर किया जिससे उसकी उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है। वैभव के प्रदर्शन को लेकर उसके बचपन के कोच बेहद उत्साहित हैं अनका मानना है कि वह आने वाले समय में

भारतीय टीम में शामिल होगा। वैभव की पारियों को लेकर भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज़ सबा करीम ने कहा, मैंने वैभव की ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ अंडर-19 और कुछ दूसरी पारियों के वीडियो देखे थे। उसके बाद से ही मैं समझ गया था कि उसमें अलग ही बात है। वैभव की प्रतिभा के बारे में वो कहते हैं, मैं उनसे शतक की उम्मीद तो नहीं कर रहा था पर इस 14 साल के बल्लेबाज़ 145 किलोमीटर प्रति घंटा से भी ज्यादा रफ़्तार से फेंकी गई गेंदों को अच्छे तरीके से खेलते देखना एक शानदार अनुभव था। वहीं पूर्व क्रिकेटर प्रवीण आमरे भी वैभव के प्रदर्शन को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा ,वैभव के खेल में जो चीज मुझे सबसे पसंद है वो है टाइमिंग. चाहे आप नए बल्लेबाज़ हों या फिर अनुभवी, बैटिंग पूरी तरह टाइमिंग का मामला है। उस दिन वैभव ने दिखाया उसकी टाइमिंग कितनी बेहतरीन है। वो जानता है कि चौका-छक्का कैसे मारा जाए। उससे भी ज्यादा वो ये जानता है कि गेंदबाजों पर हावी होकर कैसे खेला जाए। साथ ही कहा कि ऐसी सभी प्रतिभाएं अपनी क्षमताओं को लेकर आत्मविश्वास से भरी होती हैं। उनके सामने ये साफ होता है कि उन्हें क्या करना है। वहीं वैभव के कोच और मनीष ओझा कहते हैं, मुझे अच्छी तरह वो दिन याद है जब वैभव और उनके पिता संजीव पहली बार 2018 में मेरी एकेडमी में आए थे।

अय्यर ने जो शॉट खेला उसके लिए कोई माफी नहीं : योगराज

चंडीगढ़ पूर्व भारतीय क्रिकेटर योगराज सिंह ने आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर के लगाये शॉट को गैर जिम्मेदाराना बताया और कहा कि ये ऐसी गलती है जिसे माफ नहीं किया जा सकता है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में एक समय पंजाब की टीम के पाले में मैच था पर श्रेयस शुरुआत में ही आउट होने से टीम लड़खड़ा गयी। अय्यर के विकेट से मैच बदल गया। रोमारियो शेफर्ड की गेंद पर श्रेयस दो गेंदों में केवल एक रन बनाकर विकेटकीपर जितेश शर्मा के हाथों कैच हुए। श्रेयस के आउट होने के तरीके पर योगराज सिंह ने कहा, मेरे हिसाब से अय्यर ने फाइनल में जो शॉट खेला वह एक दंडनीय अपराध था। साथ ही कहा कि इसके कारण आपको दो मैचों के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

मधुमक्खियों ने किया हमला, बाल-बाल बचे राजस्व मंत्री वर्मा

उतई। ग्राम सेलूद में आयोजित एक दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने गुरुवार की दोपहर को राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा आये थे। लेकिन जैसे तालाब के कार्यक्रम के बाद साहू सदन सेलूद में भोजन शुरू हुआ। अचानक भवन के ऊपर से पीपल के पेड़ पर एक बंदर अचानक कूदा। फिर क्या था पेड़ में स्थित मधुमक्खियों के छत्ते ने भोजन करने आये लोगों पर हमला करना शुरू कर दिया। लोग भोजन छोडकर जान बचाकर भागे। इसी बीच कार्यक्रम में उपस्थित राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा को किसी तरह मधुमक्खियों से बचाकर बगल के कमरे में ले जाया गया। यहां पर उनके लिये अलग से भोजन की व्यवस्था की गई। लेकिन दर्जन भर से अधिक लोग मधुमक्खी के हमले से घायल हो गए।

न्यूज गैलरी

युक्तियुक्तकरण के तहत 385 विद्यालय मर्ज, 4 स्कूलों का समायोजन किया गया - डॉ. सिंह

रायपुर। शासन के निर्देश पर जारी युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पर राजधानी रायपुर जिले के कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने मीडिया को महत्वपूर्ण जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि रायपुर में अब 1 हजार 33 स्कूलों की व्यवस्था है। युक्तियुक्तकरण के तहत 385 विद्यालय मर्ज, 4 स्कूलों का समायोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि मर्ज प्रक्रिया से पहले राजधानी रायपुर में 14 सौ 22 स्कूल थे। इसी तरह युक्तियुक्तकरण के तहत 1013 अतिशेष शिक्षक निकले लिहाजा अतिशेष शिक्षकों को रिक्त पदों पर नियुक्ति दी जाएगी।

11 को बंद रहेंगे मांस मटन की दुकानें

रायपुर। कबीर जयन्ती के अवसर पर 11 जून को मांस – मटन का विक्रय पूर्ण रूप से राजधानी रायपुर में प्रतिबंधित रहेगा।

इस सम्बन्ध में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेश के परिपालन में रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग की ओर से नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही ने कबीर जयन्ती दिनांक 11 जून 2025 को रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह एवं समस्त मांस – मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखे जाने का आदेश जारी किया है। इस दौरान किसी भी दुकान में मांस – मटन विक्रय करते पाये जाने पर मांस – मटन जप्त करने की कार्यवाही की जायेगी और सम्बंधित व्यक्ति के विरूद्ध यथोचित कार्यवाही भी की जायेगी।

राज्यपाल डेका से सरस्वती शिक्षा संस्थान के मेधावी विद्यार्थियों ने की मुलाकात

00 डेका ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान और पांच-पांच हजार प्रोत्साहन राशि दी

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा इस वर्ष आयोजित 10वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक लेकर प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले सरस्वती शिक्षा संस्थान के विद्यार्थियों ने मुलाकात की। श्री डेका ने सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। साथ ही पांच-पांच हजार रुपए की अनुदान राशि प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की।

इस अवसर पर श्री डेका ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनका उत्साह वर्धन किया और कहा कि बच्चों के सामने बेहतर भविष्य है। वे अच्छे से अध्ययन करें और देश की सेवा करें। आज के दौर में बहुत प्रतिस्पर्धा है। इसलिए हर क्षेत्र में विकल्प रखना चाहिए। कैरियर के लिए बहुत संभावनाएं हैं। विद्यार्थी जो भी करें उसे उत्तम करने का प्रयास करें। श्री डेका ने कहा कि पालक और बच्चों के बीच में अच्छा संबंध होने चाहिए। अपने माता-पिता एवं परिवारजनों के साथ आनंद पूर्वक रहें।

कार्यक्रम में श्री डेका ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले कक्षा 10वीं के श्री प्रवीण प्रजापति चन्द्रपुर, कु. कोमल यादव चन्द्रपुर, श्री शुभम देवांगन चन्द्रपुर, श्री जयेन्द्र जायसवाल पाण्डातराई, श्री गगन सिंह लोरमी, श्री आदित्य प्रताप सिंह सेक्टर 04 भिलाई को सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ के पदाधिकारी एवं संबंधित शालाओं के प्राचार्य उपस्थित थे।

महंत डॉ. रामसुंदर दास के जन्म दिवस पर वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन ने किया सम्मान

रायपुर। राजेश्री महंत डॉ. रामसुंदर दास जी के जन्म दिवस के अवसर पर वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन के पदाधिकारी संभागीय अध्यक्ष नितिन कुमार झा की अगुवाई में उनसे भेंटकर शॉल एवं बुके भेंटकर उनका सम्मान किया तथा स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामनायें कीं। इस अवसर पर वरिष्ठ मार्गदर्शक दशरथ प्रसाद शुक्ला, प्रदेश महासचिव डॉ. सुनील कुमार ओझा, सलाहकार रज्जन अग्निहोत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष यशवंत पुरोहित, गौड़ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष किशन बाजारी, अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के प्रदेश संरक्षक खड़ानंद मिश्रा, कोषाध्यक्ष राघवेंद्र पाठक, संभागीय सचिव सतीश शर्मा, उपाध्यक्ष रवि शर्मा, उमेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

आज बकरीद, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सलीम बोले कुबार्नी की तस्वीर और वीडियो न डाले

रायपुर। शनिवार को बकरीद पर होने वाली कुबार्नी को लेकर छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने कहा कि यह त्यौहार शांति और भाईचारे का त्यौहार है और बुराई को खत्म करने के लिए कुबार्नी दी जाती है। उन्होंने मुस्लिम भाईयों से गुजारिश करते हुए अपील की कि सोशल मीडिया पर कुबार्नी की तस्वीर और वीडियो न डाले। कुबार्नी सार्वजनिक जगह पर ना करें, अपने घर पर कुबार्नी करें और चारों तरफ से उस जगह कों ढक कर करें, नालियों में खून न बहाए। कुबार्नी के खून को गड्ढा करके उसे दफनाए. त्योहार इस तरीके से मनाए कि हमारे पड़ोसियों को तकलीफ न हो और शासन- प्रशासन के नियमों का पालन करें।

नक्सली हिड़मा के गांव पूवर्ती में सीआरपीएफ ने तीन गुरुकुलों की स्थापना

सुकमा। नक्सली संगठन के केंद्रिय समिति के सदस्य नक्सली हिड़मा के गांव पूवर्ती में सीआरपीएफ ने बच्चों को शिक्षा से जोड ? के लिए तीन गुरुकुलों की स्थापना की है। मिली जानकारी के अनुसार पूवर्ती गांव नक्सली हिड़मा का गड़ माना जाता था, हिड़मा के खौफ से यहां तक पहुंचने के लिए सड़क भी नहीं बनी थी, जिसके परिणाम स्वरूप पूवर्ती गांव मुख्यधारा से दशकों तक कटा हुआ था। अब लगभग 19 वर्ष बाद वर्ष 2024 में सुरक्षाबलों ने इस गांव में सुरक्षा कैंप स्थापित करने के बाद सिलगेर, पूवर्ती, टेकलगुडेम में सीआरपीएफ ने गुरुकुल की स्थापना की है। इससे पूवर्ती, टेकलगुड़ेम में लगभग 80 से ज्यादा बच्चे गुरुकुल से जुड़ चुके हैं, जिन्हें शिक्षादूत एक वर्ष से शिक्षा दे रहे हैं। विदित हो कि इस गांव के 10 से ज्यादा बच्चे 100 किमी दूर कुआकोंडा के पोटाकेबिन में रहकर पढ़ रहे हैं। ये वो बच्चे हैं, जिनके पालक क्षेत्र के खराब हो चुके माहौल को देखते हुए बच्चों को आश्रम-छात्रावासों में भेज दिया था।

सीआरपीएफ क ाडीआईजी आनंद सिंह राजपुरोहित ने बताया कि इस इलाके में अभी तीन गुरुकुल चल रहे हैं। इसमें बच्चों के लिए कॉपी-किताब की व्यवस्था सीआरपीएफ कर रही है। पढ़ाने के साथ खेल-कूद के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। सुकमा के जिला शिक्षा अधिकारी,जीआर मंडावी ने बताया कि इस इलाके में बच्चों का सर्वे किया जा रहा है। वहीं पूवर्ती में स्कूल का निर्माण किया जा रहा है। पढ़ाई छोड़ चुके 35 बच्चों को स्कूलों से जोड ? पालकों से बात की जा रही है।

सुकमा कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने बताया कि अभी इन गुरुकुलों में शिक्षादूत अपनी सेवाएं दे रहे हैं। नए शिक्षकों को भी इन गुरुकुलों में नियुक्त किया जाएगा।

डी.आर.एम. ऑफिस में तनाव प्रबन्धन पर चर्चा, रायपुर रेल मण्डल के वरिष्ठ अधिकारी हुए शामिल

00 तनाव से बचने के लिए अपनी सोच को बदलना होगा - वीणा दीदी

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रशासक सेवा प्रभाग की ओर से डी.आर.एम. ऑफिस में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए तनाव प्रबन्धन पर ब्रह्माकुमारी वीणा दीदी का व्याख्यान आयोजित किया गया। वीणा दीदी अधिकारियों को तनाव से बचने और तनाव को कम करने के लिए अनेक उपयोगी सुझाव दिए।

उन्होंने कहा कि तनाव से बचने के लिए हमें अपनी सोच को बदलना होगा। आप जो हैं जैसे हैं उसमें खुश रहना सीखें। सारी समस्या मन के कारण है। हम सब कुछ बदलना चाहते हैं किन्तु अपने विचारों को और सोंच को बदलने पर जरा भी ध्यान नहीं देते हैं। उन्होंने बतलाया कि सारे दिन में हमारे मन में लगभग तीस हजार विचार पैदा होते हैं जिसमें से अधिकांश विचार अनावश्यक और व्यर्थ होते हैं। चूंकि इन विचारों में एनर्जी होती है अतः व्यर्थ विचारों के द्वारा हम अपनी उर्जा को गंवा देते हैं और थक जाते हैं। हमें जिन्दगी में सन्तुलन बनाकर चलना सीखना है। जितना हम शरीर पर ध्यान देते हैं उतना ही मन पर भी ध्यान देने की जरूरत है। गुस्से पर नियंत्रण करना सीखें। कुछ भी हो जाए कभी हताश न हों। आशावादी बनें। उन्होंने कहा कि आजकल तनाव होना आम समस्या हो चुकी है। छोटे बच्चे से लेकर बूढ़ों तक सभी को तनाव का सामना करना पड़ रहा है। अगर तनाव को मैनेज करना आ गया तो जीवन खुशहाल हो जाता है। तनाव हमारे मन में उत्पन्न होता है इसलिए हम मन का प्रबन्धन करने के बारे में चर्चा करेंगे। तनाव से घबराने की जरूरत नहीं है यह एक मैसेन्जर की तरह है जो कि हमें यह बतलाता है कि अब अपने अन्दर कुछ बदलाव लाने की जरूरत है। कभी-कभी ऑफिस में परस्पर तालमेल तथा सामंजस्य नही होने के कारण भी तनाव का सामना करना पड़ता है। इसी प्रकार टालने की प्रवृत्ति भी तनाव पैदा करती है। जब हम किसी बात को टालते जाते हैं कि इसे बाद में करेंगे और जब समय एकदम नजदीक आ जाता है तब तनाव बढ़ जाता है।

राज्यपाल डेका ने मानपुर-मोहला-अंबागढ़ चौकी जिले के टी.बी. मरीजों को दी 60 हजार की सहायता

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने मानपुर-मोहला-अंबागढ़ चौकी जिले के 10 टीबी मरीजों के लिए एक सराहनीय कदम उठाते हुए उन्हें पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने हेतु 60 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है। यह सहायता राशि उन्होंने अपने स्वेच्छानुदान मद से दी है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार लाने में मदद मिलेगी। प्रत्येक मरीज को प्रति माह 500 रुपए के मान से एक वर्ष तक सहायता दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में राज्यपाल ने मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, दंतेवाड़ा, बिलासपुर, कोरिया और सारंगढ़-बिलाईगढ, प्रत्येक जिले के 10-10 टीबी मरीजों के लिए कुल 3 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की थी। भारत सरकार के प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राज्य को टीबी मुक्त बनाने के लिए राज्यपाल डेका ने इस अभियान में समुदाय की भागीदारी को अत्यंत आवश्यक बताया और जनसहयोग की महत्ता पर बल दिया है। श्री डेका जिले के भ्रमण के दौरान मरीजों की स्थिति की जानकारी लेते हैं और उनकी हरसंभव मदद सुनिश्चित करते हैं। ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य टीबी रोगियों को सामुदायिक सहायता प्रदान करना है। टीबी से पीड़ित लोगों और उनके परिवार को पोषण, निदान और व्यवसायिक सहायता प्रदान करेगा जो समुदाय के भीतर प्रदान की जाएगी।

अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष ने सिक्ख फोरम अध्यक्ष भाटिया से की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंग छाबड़ा ने छत्तीसगढ़ सिक्ख फोरम के अध्यक्ष व डीपीएस के चेयरमेन बलदेव सिंग भाटिया से सौजन्य भेंट की। उन्होंने इस दौरान शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर श्री भाटिया को सम्मानित किया।

इस दौरान आयोग अध्यक्ष व सिक्ख फोरम अध्यक्ष के मध्य हुई बातचीत के दौरान सिक्ख समाज के सर्वांगीण उत्थान एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सक्रियता से किए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही समाज के युवाओं को रोजगारोन्मुखी स्मार्ट स्किल डेवलपमेंट से जोड ? तथा आईएएस-आईपीएस की तैयारी कर रहे युवाओं को कोचिंग व अन्य सुविधाएं प्रदान करने पर जोर दिया गया। वहीं गुरु तेगबहादुर जी के आगामी 350वें सालाना शहीदी पर्व को पूरे छत्तीसगढ़ में समाजसेवा के अनेक कार्यों के साथ ऐतिहासिक व भव्य रूप से मनाए जाने पर भी विस्तृत चर्चा की गई। फोरम अध्यक्ष श्री भाटिया ने आयोग अध्यक्ष श्री छाबड़ा को हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

छत्तीसगढ़ में कोविड के 9 नए केस, कुल एक्टिव मरीज अब 30

00 नया वैरिएंट स्मोकर्स-डायबिटीज पेशेंट के लिए खतरनाक

रायपुर। देश में एक बार फिर कोरोना पांव पसारने लगा है। सबसे ज्यादा मामले केरल में मिल रहे हैं। इसके बाद कर्नाटक में लगातार मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे में कोविड के 9 नए मरीज मिले है। गुरुवार को रायपुर में 5 और बिलासपुर में 4 पेशेंट में कोविड की पुष्टि हुई हैं। नया वैरिएंट आने के बाद से ये एक दिन में सबसे ज्यादा आंकड़ा है। अब तक प्रदेश में 30 मरीज सामने आए हैं। बीते 5 जून को स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी बुलेटिन में 24 घंटे में केरल में 114 केस सामने आए। इसके बाद कर्नाटक 112 और पश्चिम बंगाल 106 केस के साथ दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। वर्तमान में केरल में 1,487 एक्टिव मरीज हैं, जो देश में सबसे अधिक है। इसके बाद महाराष्ट्र में 526, गुजरात में 508 और दिल्ली में 562 एक्टिव मरीज मिले थे। बीते गुरुवार को भारत में 564 नए मामले सामने आने के बाद एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 4,866 हो गई है। वहीं, 7 लोगों की मौत भी हुई। फिलहाल आज के ताजा आंकड़ों की प्रतिक्षा की जा रही है।

आंगनबाड़ी सेवाओं में गुणवत्ता और पारदर्शिता लाने विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा

00 सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के जिलों की ली बैठक

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने आज मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय कार्यों की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के जिलों की योजनाओं, क्रियान्वयन की प्रगति तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया गया। श्रीमती आबिदी ने निर्देशित किया कि सभी जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करें तथा जमीनी हकीकत का मूल्यांकन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि केन्द्रों में पेयजल, विद्युतीकरण, स्वच्छता, भवन मरम्मत जैसी मूलभूत सुविधाएं समय पर पूरी हों।

आंगनबाड़ी भवनों के स्वीकृत निर्माण कार्यों की स्थिति पर चर्चा करते हुए सचिव ने अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने और आवश्यकतानुसार मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्रों में समय पर बिजली बिल भुगतान पर विशेष जोर देते हुए आकस्मिक व्यय हेतु आबंटित राशि के वित्तीय उपयोग की भी समीक्षा की। बैठक में प्रधानमंत्री जनमन कार्यक्रम के तहत निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केन्द्रों में बारिश पूर्व सामग्री संग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, मनरेगा अभिसरण के अंतर्गत भवनों की भौतिक स्थिति पर भी चर्चा की गई। सचिव श्रीमती आबिदी ने पोषण आहार की जिलेवार उपलब्धता, हितग्राहियों की ई-केवाईसी, आधार मैपिंग जैसे तकनीकी कार्यों को भारत सरकार के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप तत्परता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालक श्री पी. एल्मा, संचालनालय के वरिष्ठ अधिकारी, सभी जिलों के कार्यक्रम अधिकारी तथा जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

59 अधिकारी उप पुलिस अधीक्षक एवं समकक्ष पद पर हुए पदोन्नत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, गृह (पुलिस) विभाग द्वार जारी आदेश के तहत राज्य शासन की विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार कुल 59 निरीक्षक, कंपनी कमांडर, प्लाटून कमांडर, रेडियो निरीक्षक, उप निरीक्षक एवं वरिष्ठ रिपोर्टर संवर्ग के अधिकारियों को उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) तथा समकक्ष पदों पर पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत अधिकारियों में विभिन्न संवर्गों के अधिकारी शामिल हैं।

उप पुलिस अधीक्षक के पद पर 46 अधिकारियों को पदोन्नत किया गया है, जिनमें श्री सुरेश कुमार भगत, श्री ओम प्रकाश कुजूर, श्री तुल सिंह पटटावी, श्री नोहरलाल मण्डावी, श्री यशकरण द्वीप ध्रुव, सुश्री शशिकला (मरकाम) उईके, श्री सुशील मलिक, श्री कमलेश्वर कुमार भगत, श्री कुंज बिहारी नागे, श्री बृजेश कुमार तिवारी, श्री रमाकान्त साहू, श्री चंद्रशेखर ध्रुव, श्री एम्ब्रोस कुजूर, श्री इन्द्रभूषण सिंह, श्री विपिन रंगारी, श्री चुन्नू तिग्गा, श्री हरिबिंदर सिंह, श्रीमती रीना नीलम कुजूर, श्री क्रिसेंसिया तिर्की, सुश्री लता चौरे , श्री प्रमोद कुमार किस्पोट्टा, श्री गोपाल सिंह ध्रुवे, श्रीमती गंगा ध्रुवे, श्रीमती सत्यपा तारम (भुआर्य), श्रीमती मीना चौधरी, श्रीमती स्वाती मिश्रा, श्रीमती कुमारी चंद्राकर, सुश्री मंजूलता राठौर, श्रीमती श्रुति चक्रवर्ती, सुश्री संतोषी ग्रेस, श्रीमती आशा (लकड़ा) तिर्की, श्रीमती बैजंतीमाला तिग्गा, सुश्री किरण गुप्ता, श्रीमती रोशनी वासनिक (कुजूर), श्रीमती उषा सौंधिया, श्री विवेक शर्मा, श्री नरेश कुमार पटेल, श्रीमती नवी मोनिका शर्मा (पाण्डेय), श्रीमती माया शर्मा, श्रीमती ममता शर्मा (अली), श्रीमती सत्यकला रामटेके, सुश्री योगिताबाली खापर्डे, श्रीमती प्रमिला मण्डावी, श्रीमती कविता ध्रुवे, श्रीमती भारती मरकाम (शोरी) और श्री लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सहायक सेनानी के पद पर 7 अधिकारियों को पदोन्नत किया गया है, जिनमें श्री रुस्तम सारंग, श्री नरेश कुमार नेहरु, श्री टेलेस्फोर मिंज, श्री याद राम बघेल, श्री विकास कुजूर, श्री मनोज कुमार गुप्त और श्री नीलककिशोर अवस्थी के नाम सम्मिलित हैं।

उप पुलिस अधीक्षक (अंगुल चिन्ह) संवर्ग में 3 अधिकारियों को पदोन्नति मिली है, जिनमें श्री अजय कुमार साहू, श्री राकेश कुमार नरवरे और श्रीमती विद्या जौहर शामिल हैं। उप पुलिस अधीक्षक (रक्षित) के पद पर श्रीमती सीमा अहिरवार (भास्कर) को पदोन्नत किया गया है। उप पुलिस अधीक्षक (विशेष शाखा)के पद पर श्री अनिल कुमार कश्यप को पदोन्नति दी गई है ।वहीं, उप पुलिस अधीक्षक एम (वरिष्ठ रिपोर्टर) के पद पर श्री संजय कुमार शुक्ला को पदोन्नत किया गया है । उपरोक्त अधिकारियों की पदस्थापना संबंधी आदेश पृथक से जारी किये जायेंगे।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित 0 प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर05/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com